

**TO THE READER**

**K I N D L Y** use this book very carefully. If the book is disfigured or marked or written on while in your possession the book will have to be replaced by a new copy or paid for. In case the book be a volume of set of which single volumes are not available the price of the whole set will be realized

**SRI PRATAP COLLEGE**  
**SRINAGAR.**

**LIBRARY**

Class No. 891.441

Book No. P66W

Acc. No. 15983









## DATE LOANED

Acc. No. \_\_\_\_\_

[illegible]



كُلُّ نَفْسٍ ذَائِقَةُ الْمَوْتِ

وَلَا تَقُولُوا لِمَنْ يُقْتَلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ أَمْوَاتٌ بَلْ أحيَاءٌ

۱۵۹۸۳

# وقفنامه حضرت

891.4

کمالان بزبان کشمیری  
891.441  
p 66 w  
من تصنیف

پیر علی شاہ رضا سکنہ ہریل تحصیل ہند وارہ مصنف قصہ شاہمند وغیرہ

حسب فرمایش

غلام محمد نور محمد تاجران کتب ہمارا جزییر گنج بازار

شاخ

بایسمہ بازار - ورزیدنی و د میرا دل سیکر کتبیہ



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
 وفاتِ ملا محمد باقر خاکی علیه السلام

<p>آدمه اک پیده گزوت ویت          عالمه اک ز اس شرفنا کسی          سارنی هندی سرگرن با صد صفا          وز مدثر خوشنما روشن عبا          رحمتاه روزن بدینا و بدین          مرجع و مادی مقصد صبح و شام          یزدانی نهی نه در عالم قدم          عالموک سایه سر شاه جهان          چار یار نه بیه اصحابی          خاکپایان سرزندک چشمه تن</p>	<p>تس سوا کانه روزنه باقی بذات          انبیا و اولیا و اصفیا          احمد سلسله محمد مصطفی<sup>۱</sup>          تاج شاهی ز آیه لولاک تس          فرخنده دون عالمین هندی ازین          خاصه خادم از ره فضل متین          عالم و آدم همی بودی عدم          چار رکن دین تهنیدی چار یار          آل اطهار بود زنا بنی<sup>۲</sup>          صد درود و صد سلام صبح و شام</p>	<p>آدمه اک پیده گزوت ویت          عالمه اک ز اس شرفنا کسی          سارنی هندی سرگرن با صد صفا          وز مدثر خوشنما روشن عبا          رحمتاه روزن بدینا و بدین          مرجع و مادی مقصد صبح و شام          یزدانی نهی نه در عالم قدم          عالموک سایه سر شاه جهان          چار یار نه بیه اصحابی          خاکپایان سرزندک چشمه تن</p>
----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

مناجات بدرگاه قاضی الحاجات

<p>ای خدا بنکر بر رحمت سوی من          کار دنیا سخت زانوم دین سهل          نفس و شیطان من به کرم رهبری          چهره می بهیو کاخ فتنه در اهل جهان          دای کبریا نه شرارن گولنس          گوس بر هم پیوس دن انجام          می هدایت گزته از لطف عمیم          سیننه با صافی دم لاریب</p>	<p>تازه کن ز نور عرفان دوی من          فی کرم به پیغمبر اسوم کنهت سود          حرص غالب گویا کبر و منی          اندر پائش خوی بدی بوی بران          نخوتن نه افتخارن گولنس          یا آنکه هر ره مول پاکدین<sup>۲</sup>          دم پناه از شر شیطان رحیم          رحمتهاه کرم خدا با عاویس</p>	<p>ای خدا بنکر بر رحمت سوی من          کار دنیا سخت زانوم دین سهل          نفس و شیطان من به کرم رهبری          چهره می بهیو کاخ فتنه در اهل جهان          دای کبریا نه شرارن گولنس          گوس بر هم پیوس دن انجام          می هدایت گزته از لطف عمیم          سیننه با صافی دم لاریب</p>
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



از کرم غفلت ته شامت کا ستم خام کارس گوم ہن ہن سینہ ریش کوئی پر سہماہ پاس و نیوم گوس آوارہ تہ کیاہ چارہ ہم رفع شر کر تم ریا د فح بلا تھاو تم اندر رہ دین مستقیم	فضلہ نہ فی بد عزامت کا ستم فضلہ سیتی لاکم سر ہم چھو س پیوم تاون گوم حسرت پر حلقوم عفو تقصیرات کر تم بار بے بہر شہدائے حسین کر بلا چھو س علی مسکین عاجز ہر خطا	ازام شر پالنس مہ غالب ام پیش زی سوانی چہنہ کا نہہ فرورس فضلہ لے کر ہم تہ بد دارہ ہم از برای آل و اصحاب نبی پاس کر تم خاصہ فی ہند ایکرم از کرم کر تم ربا ایمان عطا
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

## تمہید لازم التالیف

بعد حمد و نعت اک ساتھ آوازہ روز آفتاب روشن شد و یقین راویس سوی آو کر تیو بہنے آئے کم کم صفیاتہ القیاس نیک بدیم آئے تم مرنے کتی قبر دروازہ چھو سارن آڑہ لوی لیکتم بلیہ آئے بروقت شریف آئے بہر کار کشنگا ہنس اندر وای اس کیم آئی در آخر زمان قبر ہندوی بُرنہ وحشت اک فرا لا محالہ اس تہ سوی پیالہ چھو کارسانی ہل چھتہ کنہہ با چھو سد	پر وفات مصطفیٰ کرتازہ سوز رود مایہویت سودر دنیا دم موتنی سوی آو شربت زہنے روز ہے بد کا نہہ تمی کر تہ سوزنی بہ تہ مابی و چھتہ مارودی تہی تم بلیہ گے موتنوی سوی پیالہ چھت بوونے زانک چہہ اس عاجز ضعیف کار کرک جان کردار نکو رای کر سہہ زامی در دارالامان مست لذات شراب دینوی قبر دروازہ اژن خواہی ہمو دنتہ میرت بیہ فیرت مایمو	کر تہ فکر و چھتہ تھو سلطان دین وَن کمو کی نخوت زہ چھو امیر د و چھتہ کم کم نبیساتہ اولیا رود کریت کا نہہ بد نیای دنی موت چھوی پیالہ چھو سار چھو اسنہ چھو موتیہ ہمو بروٹھوت خالقن اس سوز دنیا اس اندر آئی بیدل درای خوشدل خرد کنہہ خوفاکرنہ موتن تھو تقرا غافل از اخذ عذاب اخردی ای تہیت نہ درای کھت کینہ چھو د روامنی کار بہت شیرت ہمو
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

## غزل درندامت و افسوس موت

ماپانہ غافل بے کسہ یس آو تیوس چھاو رن آخر مرن آخر مرن کل کرین موڈل حسہ	مست گوک دنیا کی مسہ مذکور آخر مرن آخر مرن
---------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------



کو تاه گو مت چھوک مست حال  
 افسوس کت کتو ماجہ زاس  
 یت بہت کیاہ حاصل کرم  
 دل چھوم پریشان شل خراب  
 کم یار کم دل بسند گے  
 کم کم غمی حاصل کرم  
 وچھتوڑہ برو نہ کم آئی کم گے  
 نیت یوے گے بباتہ ماج  
 ازیا پگاہ اسی ترہ ناد  
 اک نیہ ژرتہ اک کمی  
 تی چھوم نہ فیہر تادہ بیل  
 اندری ددر چھوم ویرہ ہند  
 اولاد اولادہ مسہ کر  
 ماس تہ اولاد س پتہ  
 بیگانہ یا لاه چھوک رچھان  
 رٹ سوی سلی ژرٹ یہ کت  
 کتو گوی جوانی ہند سودم  
 ون واوہ زیراہ اک یئی  
 سامانہ کروہ وقت چھوی  
 علیو چھو ون آخر زبان

کس سیت پکو اولاد و مال  
 زت کو نہ تل لو کٹوی میاس  
 شیطان پھرم نفساہ برم  
 کانہہ نو کرم کار صواب  
 کم عیشہ مریت خور سند گے  
 متون کری برہم بدیم  
 کیتاہ زبخت نوزای گے  
 بڈہ پیرہ خانہ سیرہ باج  
 زاہ نو کری اولاد یاد  
 دونوے دین ژہ بہمنی  
 جگر س مہ لکوت داغ نیل  
 بنری مہ زگاہ ژیرہ ہند  
 بالچ تہ کانہہ ماسے مبر  
 پانس کرت شری ہمت و نہ  
 کو نوہن کن چھوک وچھان  
 وینہ وقت چھوی ہلہ کاروت  
 آسوک کران کم چسم تہ جم  
 ددرس پھر سس درت دنی  
 برو نہمہ فرید سخت چھوی  
 از نیک بد کس چھوی زبان

قبرہ کنوی ز نو ہو دسہ مذکور  
 گنہو بڈس بہت کرحہ  
 تی کر مہ پت اسن بختہ  
 ڈلسی حسہ شیطان فہسہ  
 ون یت بور و زانت و سہ  
 کم مست گل موتن برسہ  
 چھو نیاتران فکر ہستہ  
 کیاہ چھوک نثران بویت لبہ  
 پانس کران بن بن حصہ  
 نسل مالہ و اس ہرزہ  
 بے پیرہ بے سر بو چھوستہ  
 تن مال سن آمو بستہ  
 یم بیوفا کیاہ چھوی درہ  
 اصلا نشہ لا کوت ڈسہ  
 پتہ بالان چھوک سن لبہ  
 دوہ چھوی دیان کوہ بن ڈسہ  
 بحرین ددر کرنے پھر سہ  
 شاخن کری بن بن تھوسہ  
 تل خرج یک منزل رسہ  
 ایمان متک مولا ہستہ

## ولہ زار لازم التکرار

رحم کریار ب مہ بد کار س رحم  
 رحم کریم مہ گنہگار س رحم  
 مل نہ کل تروت بنی رتو جو ہرا  
 یدھے اندر کار بدی زوژ ٹوم

رحم کوی ید مہ کریم اک جوا  
 رحمکوی دروازہ آخر مہ رٹوم



منفعت کرتی چھوٹی امیدوار	عذر بوزم چھوٹی خدا یا عذر دار	چھم نظر یارب نظر بر فضل تو
پانہ چھوٹی فراہمیت لائق طوا	بد مہ کرمیت چھم سٹھاہ جرم خطا	کتھہ بوزم بید روزے از عطا

رحم کرتی چھوٹی ذرہ غفار الذنوب ستر کرتی چھوٹی ہستار العیوب

در بیان بیمار شدن سرور کائنات حضرت رسول مقبول صلی اللہ علیہ وسلم

پیدنے روز کی نشہ بوزم کنے	پک و فات مصطفیٰ کا شرف نے	کتنہ تریم اس صفرن بدھوار
گو سو سردار دوعالم ببقار	اکلہ دادک اولاً آزار کوک	اکر لوٹ تباہ نت اندر اظہار کوک

ترن دہن اندر تین تل تہوت شور ہکنہ و تفت جابہ سمٹھ اور پور

روایت ابن مسعود رضی اللہ عنہ

ابن مسعود نے روایت کر یہ بوز	چھی لکھان اندر معارج پر لیسوز	حضرت پورس تسن پیش از وقت
منگناون یارب بڈ خوش صفات	اس درخانہ صدیقہ بالشاط	آئے سمت یارب با صد انبساط
عرض کرک یار رسول اللہ صلی	کیا چھو فرماں کوہ بابت اس انبو	دعا کرک کوڈہ سارن تریم
مرحبا بکم اللہ بالسلام	چھم وصیت مہ کرن دنو مہ ناد	لوک بڈ تقاو و وصیت میان یاد
چھم وصیت ہی کرن تقاو و پیش	روز و شب مشغول و زوطا عیش	از خدا کھوڑ و سٹھاہ تقویٰ کرو
از عذاب و قہر حق پر و ابرو	کبر و نخوت تر حضرت تراوت بکلیف	نشہ نینس نتہ و پرس از شرف
شوبہ نہ نخوت کرن انسان ہی	میلہ ون لیس سبہ یکسان بناسی	خالقن سوزس تو ہی کن بوندہ
کبر و ابن جای چھو نار سعیر	می حوالہ خالقن کر مہوتم	سوی حفیظہ چھم بر سر خاص مام
عرض کرک ہی رسول و امکان	کر جل آسو تو ہی کر تو بیان	تورہ فرماؤ آنجنابن می آہل
آوون نزدیک بے رد و بدل	چھم گزہن نہ تو ہی سوی رب العلا	دارہ بوز و در خلا و در ملا
چھم گزہن بالائی سیدر منتہی	جنت الماوی سوی دار البقا	شور تل در گریہ یار و آنجنابن
تمتہ لک اش بارے باہمکنان	عرض کرک یار رسول اللہ تنے	کیا کفن آسن گزہوئی کس نے
تورہ دیویم جامہ پس دیر مہ چھم	بدیہوی لاکیم تی بہتر مہ چھم	نتہ مصری جامہ یا بردیمین
نتہ کپر چھیت گزہم کر نوی کفن	ادہ دیویمک یا بنی تو مہ کس چھلے	کس کفن نازک تنی چانی ولی



<p>توره دیویم اہل بیت یم مرد چہسم بر جنازہ کس کروا دامن ساز بیمہ آسن تم گزہن نیرن نیر پانہ کرم رحمت بیحد زول ادہ میکا سیل و سرفیل باز بن کرن ساری جنازہ یک بیک ادہ مردان ہم ام اہل بیت بنو نبوی ادا کرن اہل صواب بیمہ دیویم یانی و نتو خیمہ در قبر والن عون اہل بیت</p>	<p>غسل مینی نو چھویم ہمدردیم تورہ فرماوک کفن پیرا و تھی تن نہا تھاوڑم حجرس اندر ادہ جبرائیل با صد امتیاز اکہ اکی بیت کرن آ دامن ساز توہ و چھنوم ملا یک سر بسر ادہ نسوان تمام اہل بیت یئی زلس تھاو و وصیت لاکلام توہم کم ہنر والنو قبری اندر لل کرن لکنہ بکریہ کر یکہ ناد</p>	<p>ادہ پر زہمک بیمہ باعجز بنیاز لب قبر گزہ تھاوون ساو تھی گوڈہ خلاق جہان با صد قبول بیت کرم تنہا سو جنازہ نماز ادہ ملک الموت ادہ ساری ملک توہم صلا کا خیمہ یونہ نظر ادہ گزہن فوجہ فوجہ بن صحاب تمہ یارن سارنی دیو و سلام تورہ دیویم مردمان اہل بیت تمہ اندا و اتہ اسی تھاو و یاد</p>
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

## روایت کردن ام المومنین حضرت عایشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا

<p>عایشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا منفعت منگ از خدی دو جہا بیمہ کی مامور گزہ اندر بقیع بیمہ ہتھوکی فرش خوابس پٹ آرام بہر شہدای اجد منگیو دسا بردعا از بہر شہدای اجد زود کرک سارنی یارن خیر این روایت باز بشنوی امین وڑہیمہ بیماری نہایت دردک نہ نصرا آسن نہ تقس تفکرت نیک کارن تہ وفادارن ہنری</p>	<p>کہ شے مامور شد خیر البشر گے نہ فیرت آئی تورے آجناٹ منفعت منگیو من کتو یا شفیع اک فرمان از خداوند زود از کریم کارساز کسریا یام فیرت آئی تورے زود تر چھوم کرن ون می ازین عالم سفر در معارج چھوی انان ملائین در اخیر ماہ صفر گوش دار گے بقیع کس پکانی شیرت وات پست یار ہت اندر بقیع</p>	<p>گزہ بقیع مننر برای مردگان یام تراوک لرتھ پر فرش خواب گے دوبارہ آئی فیرت یام تام سوئی اجد بایت نہضت نمود گے نتنی در محرکہ جامی اجد تام پیدا در دسر گوشخت تر</p>
<p>اہل کورستان کنی کن لاکلام</p>	<p>وانہ دلوئی آجنا بن کر سلام</p>	<p>حضرتن بلہ زانو اندر جسم پاک بٹہ واری آسنہ نٹہ آ تقوار پتہ جماعتاہ پکان یارن ہنری عائین تنک کارن ہند شفیع</p>



بالمخاطب اہل کورستانی  
 آہں جبرائیل پرت ورس اندر  
 بمہ ورہہ دویہ لٹی پے بہ پے  
 دن گزہن چھوم زینہان پرخل  
 ید بہک در دار دیناڑی ہمیش  
 تی کری توی توی تری اختیار  
 پورہ کرس عرض ای پروردگار  
 در سوئی دار البقا و انتقال  
 عورس کن پیہ یدکنسی نظر  
 کفسل سینہ کرت انتشار  
 یام چک تم قطرہ های خوشترین  
 انبیاء کن ہند بہک میراث تام  
 ہم پھیت آئی در حجرہ شریف  
 دج کندک بر سرٹھاہ چارت بزور  
 مرخصا اس بیہ فضلس تفکرت  
 ادہ دپوہک ای گروہ مومنان  
 توہہ منزہ چھوم دن خواہی نیرنگ  
 در حیات خود کرس آدائین  
 اوقیہ تری بہر بخشایش دی  
 دس لکان کم چھم مہ کرت سپر  
 چھوہ کنہہ ریس تہ بندس درینا  
 در عمل کوشش کرو تی چھوہکار  
 چھوم قسم تمسند مہ بوم خالقن  
 یار حمت ننتہ کرک از عجل

دن کتھاہ اک پانہ عالیشانہ  
 اکہ لٹے بیت کران عرض قرآن  
 بیت کرن می عرض قرآن و  
 یا علی دنم خدین ختہ سیار  
 ہلہ دیم تی کری از فضل خویش  
 ید تری بہک میانوی لقائی چیم قبول  
 درام دیدار چانوی چھوم بکار  
 غسل دزم پانہ ای عالی نشان  
 گرھہ نابینا سوت آہں اندر  
 تمہ قطرہ آسنہ ادہ پت کوئی  
 تام علم اولین و آخرین  
 لدنی علمانی ہن ہن زہ پور  
 ساتہ خونہ ساتہ گے واراہ ضعیف  
 ژور مہ دہہ سجد منتر زای یام  
 استہ استہ منبرس کھیت کھیت  
 توہہ گرنہو سارنی واراہ بسر  
 دراویس لیس ماد و بارہ فیرنگ  
 دراوشہ صابر وٹ کن یا مصطفیٰ  
 نمہ می دتیم ہمیت چھوفہ  
 حضرت فضلن دتس گوشا دان  
 دافع شر نافع و حیر رسان  
 در تمنا داتہ کر انسان زراہ  
 سوز نس خلقن زہ سروہنی دن  
 چھوس بوسیمہ اگر کرہ باکناہ

تام یارن کن دپوہک بوز و خیر  
 یعنی بر آسمان اول بوہران  
 نت چھوہنی و اتومی وقت اجل  
 یابی دن کیا زہ رٹک زین و کار  
 ید دپوہک جنت دیم تی آشکار  
 پانہ مخیر تری کروک مہ یار سول  
 کرہ یامت زین جہان پر ملال  
 ستر عورت واراہ کرم ہونہ سا  
 غسلہ شہ یامت بہک تری موبکار  
 گوشہ چشمین تہ ناس منتر توی  
 حق تعالیٰ تری کری انعام  
 نور چک تری حق دی بر نور نور  
 تل تہن تہ در دسر نیتوت شور  
 ہکنہ کھیت منبرس از ضعف تام  
 گوڈہ پروک حمد خلاق جہان  
 چھوم کرن حالی مہ از دنیا سفر  
 کینسہ منہر مافرض چھوم سنگن بدین  
 وعدہ دتہمت تواتی چھوہ باصفا  
 حضرتن دپوہک فیضی یانیمہ  
 تا دپوہک ای تمام مردمان  
 یا چھہ عمل یا چھوہ فضل کردگار  
 یا بعلانتہ از فضل اک  
 کرہ کر خلقن مسکانات و بدل  
 دیمہ ماد عوے پتوہ کرہ ہاتباہ



تام دپوک یا الہی تن مہ باؤ

حکم چالوی سارہ فی منزلتہ ناؤ  
بیہ آنک پاسے مبارک گرہ

تریہ فرہ سی دپوکھ و تھ منبرہ

## روایت حضرت ام المومنین عائشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا

عائشہؓ دپو بوز بوزے سر بسر  
تمہ دوہہ حضرت میمونہ سنسر  
مہ تہ آسوم درد سر زربا کمال  
تنگ آفر چھس از انر و سخت تر  
پانہ بوجہ ہیر و تکفین کرہ ہے  
یابنی آسی زہ درد دل می خیال  
میانی جگر س اندر با ساز و ناز  
تام دپوم فیہ تھی ات روز تھی  
یعنے از بیماری این درد سر  
گڑھ مبدل بصحت و لولی  
آئے از وارج مطہر سر بسر  
تم کرن بیمار داری تن بجان  
تم گڑھن درخانہ صدیقہ باز  
غدر بوز و کوسن بو غدر دار  
ون دیور حصت بنجانہ عائشہ  
تن بہت از غمگساری می کرو  
حضرت فضل و علی شیر زبان  
پای مبارک اس ویزان بر زمین  
ابن عمر باز گفتنا نجیبین  
آو کرن عرض خدمت حضرت

بیمہ دوہہ بیمار گے خیر البشر  
گے تنی بیمار کرنک درد سر  
بہہ و نوی مہ کروک پرسان حال  
تورہ دپوم عائشہ تھو تو دھیان  
وارہ نماز جنس ازہ پرہے  
یام پیو قبرہ اندرے درت  
تازہ عروسی کرو خوش طراز  
عائشہ بول بوی تہ میا نوی درد سر  
از جہان بے وفا کرہ بوسفر  
گے تنی درخانہ میمونہ باز  
بیٹ میمونہ سندس جگر س اندر  
تن پکاہ فرما و شاہن از زبان  
تن پکاہ و نس اندر سی آسہ راز  
چھونہ طاقت فیہ نس و ن لو تن  
گڑھ بو تو تو مہر و زومی نشہ  
گے ہر تقدیر تم راضی تمام  
ژاک گڑھ تل تم دوشی عالی نشان  
ژامی اندر حجرہ صدیقہ تام

روایت حضرت عبداللہ  
ابن عمر الخطاری رضی اللہ عنہما

اس نوبت خالص ہما بونہ سنسر  
آئے تامت می نشہ جگر س اندر  
عرض کرک چھوم حضرت درد سر  
ید مہ برو تھ سرہک تہ کتوتی انون  
غیر سینین مہ دپوک با ملال  
تام ہیو تھی انور ت کرت  
گڑھن حضرت تن سی بوز تھی  
سوی اشارہ حلتوک بو مختصر  
درد سر سی چھوی زہ سو خواہی  
گیہ بیماری سٹھاہ سخت و راز  
تا کہ در بیماری شاہ جہان  
امہات مومنو لبور تو نشان  
نتہ لکھن سی چھو و لوک شکار  
ضعف پیدا کوز بیماری تن  
تن سمیت بیمار داری ہی کرو  
کہ بنجانہ عائشہ سوز و مقام  
آو تمہنی پٹ رسول پاک دین  
تن تھوک بر فرس بیماری ام  
کہ ابو بکر امیر المومنین  
دم اجازت روزہ بویتہ حدس



یت بہت بیمار داری بکرے	جان و دل خدمتگزاری بکرے	حضرت فیرت دپس ای بارخار
یتہ چائیں خدمتس کر چہوم وار	خدمتس چیم کور چانی عایشہ	اس ساری حجرہ تراوت شش نشہ
ات رضا کیمت چھ ازواج شریف	وان اگر شہمہ در خدمت حریف	یم گزہن نارض دین کیا کرک
ترہیتہ می اسہ توے نہ کرک	بج گزہ می یدیم گزہن از رہ دل	در صیدت زر گزہن یم پاکل

ترہیتہ دب کر گزہ خدمت دینے جزا ات رضا بوجہوس خدا کترہنے رضا

## روایت از ام المؤمنین حضرت عایشہ صدیقہ رضی اللہ تعالیٰ عنہا

عائشہ دپو سید کردوں جناب	اس برستہ کران تیرا صطراب	کہ دچھن کن کہ کھور کن مہدم
اس فیران سید عالی ہسم	عرض کرک یا نبی ستیقا صطراب	ید کر و اس کاخہ کرو توہ بد عتاب
تورہ دپوم سخت بیماری مہ چیم	خالقن کر مشریہ از نخض کریم	مونس سیں صیار سب العباد
سوزہ مرضا یا بلانی تھاویاد	ید وزن کندوی گزہس پایند	حق تعالیٰ کرہ کس رجبہ بلند

نامہ اعمال از فضل عطا تراوہ چھنت پانہ ساری خطا

## روایت از حضرت عبداللہ ابن مسعود رضی اللہ عنہ

ابن مسعود دن دوبارہ دن خبر	ز اس بود در خدمت خیر البشر	اتھ می پٹ تھا و مک لومنتاب
تیتون نیران اندرہ بوتیک حباب	عرض کرک ای شہ عالی لقب	مخرقہ مہود در بدن چھو پوٹ تب
عرض کرک ادہ دن ہندوت ات	پیش حق آسیو ثواب کمرمت	تورہ دپوم چہوم بلا شک رحمتا
توہم ہیبون دنو ہندی یات ثواب	تا دپو یک چہوم مہ سو گند خدا	مومناہ سیں سہ در پند خدا
واتہ کس بیماریا وائس اذا	حق تعالیٰ دیہ سس مزد و جزا	اتھ تسناری گناہ زشت سخت
	یتھ باران وادبر کن از درخت	

## روایت از حضرت ابوسعید خدری رضی اللہ عنہ

ابوسعید خدری دن ہی خبر	ز اس بود در خدمت خیر البشر	اسو قیطیفہ تمویٹ مہمونی
داف اسو کن بستر سٹ مہمونی	دورہ روزت نمہ نبرہ جوش ام	اتھ تھا و مک پٹا تہ تھا و دن کرنام
از عجبت بدہ پرم سبجلہ	تورہ فراوکی یہ قیطیفہ تلہ	انبیاء ان بہت چھ پر شدت بلا!



تتقو چھوکر کا نھ در بلا ہا مبتلا	تتقو دو گن بیمار ہندی چھک عشا	تتقو دو گن بھر پور چھوکر ہر دوا
بتہ در تصیف علت چھوکر غماہ	انتہ فرحت چھوکر مضاعف از شما	

## روایت از حضرت ام البر رضی اللہ عنہا

دپو ام البر انکے زری تقا گوش کینستہ تہ چھوکر چھوکر زو وار تورہ دپو ام حضرت تو ام البر حکمت خالی یہ چھوکر بہر صواب ام بلکے خالص چھی سخت تر پایہ پایہ دار فن صاحب بدن یلہ در دینادو گن واتک غدا کیا چھ و نان ناواہم رض عظیم مرض ذات الجنب مرض بدترین از نبی چھی دور شیطان غنی بلکہ بو مات دمی ات کیا دلیل چانو چھوکر خھویہ خیر اندر	یلہ دپو ام تب آنسو و زجوش کیا باعث ات مہ تی و مکک دن بوز و نہ تب سختی ماجرا آر سیس بیماری سختی دو چند تہ چھوکر چھوکر کثر سر بسر عالمس پٹ یوت چھی رنج و بلا پیش حق دو چند چھوکر ہر دوا عرض کرک یا بنی می گوکنن خاصہ از وسوس ابلیس لعین کتھ سوزی تتقو مرض رب العلا بوز و ارہ حکمت رب الجلیل خالقن رتوز رتوت کتوی مدا	عرض کرک ای رسول اگر دکار یوت تب چھوکر سخت بر نازک بدن تب مہ چھوکر پانس شدید حسا تس و چند ان جر تہ در جہ بلند ادہ ولین صالحن تہ کا بدن تہ دو گن تہی بجان نہر سیا ونتہ ام البر وانا تہ حکیم ات بیماری تہ چھوکر ذات الجنب تہ کر چھوکر شیطا نس تہ لظ برنی بر سر حسام پاک نسیا چھوکر یہ بات زیادہ تر زہر کا اثر از شہادت تہ چھوکر روزن جہا
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

نتہ زھیت آسواندر سوی اجباب جوش دت از وراون بہر ثواب

## روایت دیگر

دوہہ اکے آکس جبریل امین امر چھوکر دپرس زہر تو میو نوی پیام زہرہ ہر گاہ گزھہ بلن مصطفی صافی ان غرق در رحمت کرت حضرت دپو ہس چھوکر خالق جہان	از حضور خاص رب العالمین دن کتھ اندر مہ تو مس اختیار یلہ و نم مہ در زمان خشیش شفا تی منکین فی خوش گزھہس تہ دور مالک مختار سوی اکون و مکان	یہی حضرت حقن لڑنے رلام سہی گزھہس خوش تی و نم آشکار یلہ و نم دار البقامی زہرہ برت تی مہ چھوکر منظور تھا و مس اختیار تس چھوکر میو نوی ذرہ ذرہ اختیار
-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

ہر چہ خواہد میکند مارا چہ کار



# روایت از حضرت خاتونِ جنت رضی اللہ عنہا

<p>فاطمہؑ دپو دوہہ کی حضرتن حضرتن آہستہ سی ولسن بکوش اکی لٹہ بوکران عرض قرآن مے کرن تعلیم قرآن و ح فاطمہؑ بوزت سٹہاہ کی بقیار گریمنہ تم تبسم کروے بہستی زری دت غمکین کیک سرچھو کر یاوت ہئی بہہ کر خموش برونہہ اگر و نو تہمنہ دن و تم خبر بوز تھی ل کوم غمناک و خیرین زان بشارت دل شہاہ می دگوم</p>	<p>فاطمہؑ کثیرہ دنی زری تھا و کن ینہ بوسوٹ گوسے بالیقین بہر تعلیم پران بر آسمان زین اشارت فاطموی کو یقین ودنہ لہج اندر فرشت زار زار عایشن دپوس مہ و تم فاطمہؑ پتہ کیا و نو ہے اوت بہہ خوش کیک بعد حلت بہہ کرس سوی سوال فاطمہؑ ولس و ن و ن سر بر ہنو و دن می تام دپوم رھپہ کر لولہ زخم تازہ سوی مرہم بنوم</p>	<p>فاطمہؑ کلمہ بن تراوت بہوش تنہ در ہر سال جبریل امین مہ رہہ دویہ لٹہ پے در پے وقت حلت میون اسی ن قرین تام کتھاہ بہہ ولس کنہ تلی گوڈہ کنہ ل کیا و نان اسی تہ فاطمہؑ ولس یہی و لوم بکوش تمہ انک فاطمہؑ و تم مہ حال گوڈہ دپوم آیہ می حلت قرین سارنی برونہہ زری مہ کن یکمہ بوز تھن فی ام در گریہ اسن</p>
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

شعویہ لاجم صبر پر اوم ز مستحسن



## روایت دیگر



<p>بلہ گے بیمار شدت بے حساب کاغذا اینود و انتھاہ با تسلیم وقت حلت رہنکے راہ شرع کونطر بر صغف حال مصطفیٰ سی و صیت توہی تھا و ولکیت اک جماعتھاہ بر خلافتش در ایہ نن در حضور انبیا بیتھو شور و شر تام تہن یک قلم دتو بہہ زور پٹ چھکت تراویوم پانس سر بر گے چھکان بر جسم محبوب الہ</p>	<p>آس در حجرہ سمت اکثر صحاب در حیات خود وصیت نامہ سوی وصیت نامہ آسیدو با ویرع عرض کرنک ای رسول خوش نفس تی چھو قرآنس اندر نن حکم دت شور و غوغا و تھو ز روی اختلاف چھو نہ جائز حجرہ نشہ سر و سر حضرتن فرماونک از ہفت چاہ دیوہ بیت جو سس مہا پیتم لور یام مہنا کوک تن جو سس لور</p>	<p>حضرتن پوسانی کن از کرم بیکنم مرقوم عنہہ حبابہ عمر فاروقن رروئی پرضیا توہر پتہ ایس قرآن چھو س تابع عمر جماعتھاہ اک سین آنجا بن حکم کرنک صاف درائے نبر تم مہنا کم کو سو شور ابہ مشکہ ست اینوبے شہاہ ابہ مشکہ ست انت از ہفت چاہ در آی در سجد بادای ظہر</p>
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



پانہ تھی حالہ سپن مقصد  
گوڈہ در خطبہ پرک حمد  
ادہ فرماوک مہاجر بارہ فی  
سارنی پٹ تو متہ غمخواری کرو  
با خدا انصار چیم می ٹاٹ یار  
تیش مروت کرکھ از خود بقصور

پتہ سمیت کر صحابو اوقت  
اتھ تلت بہر شہادی اجدا  
کرزہ عزت مہ پتہ انصاری  
یڈیمو منہ کرو کا شراہ بدی  
محرم اسرار چیم یم نیک کار  
تا انصارن کرک تا کید تام

منبریں پٹ کھت کرک خطبہ دا  
منفرت منگوک بدر گاہ صد  
یاد انصارن مہنری یاری کرو  
تس نکوئی کرزہ تودہ از بجزدی  
بہوین دستگاہ بواندر امور  
بامہا جبر کرزہ تودہ سوی احترام

## روایت دیگر

در معارج چھی لکھائے تہیکے  
باجادرنالہ وزاری سپن  
اس پان اک اکس کوتا زرو  
یم فضل و جید کرکاراؤ  
حضرتن دست مبارک کردراز  
پانہ پرزہک از زبان درفشان  
مرفضائن عرض کرے تاجدار  
اضطرار بن کر متن دیوانہ وار  
اک اکس چھی تم و نان کوتا زرو  
ہکنہ وقت کتہ و تھنوک واک  
تام دریائے کرم در جوش و  
اے تمنی پٹ پکان ان پکان  
یام اندر زائے کھت پٹ منبریں  
گوڈہ دپوک خالقس حمد و ثنا  
فکر کر تو متہ گزمتو سببہ ریش  
سارنی سوی خدا فیرت گزمتن

یہ حضرت زیادہ تر بیمار گے  
گرہ کینسہ آونہ صبر و قرار  
یمہ رحلت کر نہ اس کتھ درو  
حال انصاری بکوش مصطفیٰ  
یعنے تودہ مہ تقدیم ای اہل از  
کہا چھ انصاری و نان راہ و نیم  
تم چھ کران حال کہ نالہ زار  
مسجد نیران اند اند در طواف  
یم کران رحلت پت اس کیا کرو  
مرفضائن فضلنی تل و تھف کت  
نرہ زی تھاوت متن دروش درو  
یار سمیت ای دل از ہر طرف  
دج گندرت از در و نورانی سر  
ادہ دپوک بوز تو اے مردمان  
رودہ کاہنہ پیغمبر در قوم خوش  
خالقن اس پیدہ کر مرنہ کتی

شر پریشان حال انصاری سپن  
گرد مسجد اس نیران بار بار  
پیش سرور حضرت عباس و  
وانا واک از رہ صدق و صفا  
تھت تلت یڈہ و دہیت پاک شان  
دی و نان آسیتہ دوبارہ و نیم  
کینسہ درنہ چھو صبر و قرار  
مشرعہ کمر چھک زن پٹ کوتا  
رار از انصار بوزت عاراک  
ہکنہ بر پائستادہ ٹھت  
پانہ پٹ ہکنہ شاہ پاک شان  
درائے در مسجد شہ والا شرف  
با کمال استیاق و التجا  
میو مرن چھو خوش کیا چھو گن  
متہ و دو کیا چھو حال مہت گزمتن  
رود کس روزہ بواہ مرنہ تتی



یم مہاجر بر دھچھوہ آستیتی  
 رتو کرو با یکد گرد راه دین  
 بیہ دیوہک بقصوہ بے فتور  
 بنہ کر راہ غیر ہر کردگار  
 کر ہر گاہ آدمی با حق فریب  
 کر زہ نیکوئی با انصارہ فی  
 خاص یم می محرم اسرار چھسم  
 ساری پٹ تو بہتہ غمخواری کرو  
 و نہ آسیدیت نیہ ابقان انوک  
 پیشکش تھاووک خوشی ان برت  
 آیہ والکاظمین الغیظہ تام  
 کر زہ تو عزت بمن نیکن نام  
 عرض کرک و نتہ سانی رہبر  
 اس متن سین کر و کیا سلوک  
 ادہ حوض کوہ رس پٹ زان سبب  
 یار سول اللہ تہہ چہم دن التماس  
 توره دیوہک بوز در شان قریش  
 پکنے تابع رس نیکو و نہ  
 می وصیت یاد تھاو و تہ قریش  
 آسہ حاکم نیک متن خوش سلوک

رتو متن ز رز کر و تم چہور تی  
 سورہ والعصر پروہک سہر  
 بستہ چھو باہر حق ساری امور  
 بر قضا غالب گر شاہ راہ آدمی  
 سرنگون پس گزہ ہی تسن با حجب  
 چھوم قسم تمسند کہ در دست او  
 با وفاء و واقف ہر کار چھسم  
 فکر کر تو یہ تیو و اتو ثر لت  
 از رہ صدق و صفا ایمان انوک  
 یدیمو منزہ کرد کاثر با بدی  
 بوزہ ناوک با کمال اہتمام  
 آسہ تہہ اک جما تھاہ یم تیو  
 تہہ وقتہ کیاہ چھو فرمان کیا کرو  
 توره دیوہک غیر کسین وغیر جہر  
 می ششی وائل کر ہوا ز فضل رب  
 کن نگاہ لطف بر جان قریش  
 چھو خلافت نیک ز شان قریش  
 بدہند میندن بدن پیر و بن  
 رتو کرو تہہ کر و ناو و تہہ قریش  
 بد اسن لوک حاکم بد نیک

دیوہک آسہ مہاجر ان پیشین پسین  
 صبر کوئی تاکید کر یک سہر  
 کر ہر گاہ آدمی تعجب کار  
 تہہ ہر گاہ گزہ ہی بر ہی  
 ادہ فرماوک مہاجر بارہ  
 جان من انصار چھم نہ ٹاٹ دست  
 یاد انصار ان ہنرمی یاری کرو  
 جایہ ستر مت تھاو ہو پاولت  
 میو فی نہ با غنی ادہ اڈ کرت  
 تسن نیکوئی کر زہ تہہ از جہر دی  
 بیس بنو حاکم سو با تاکید تام  
 تہہ پٹ کن پانی تیز جیح دیو  
 آسہ پٹ ید غلبہ کرن کم لوک  
 رتہ محکم عروہ الو شقہ صبر  
 تام بروکھ کن حضرت عباس اس  
 یک وصیت کن زہ در شان قریش  
 نیک بھند نیک قریشین تہہ  
 کج بد نبال بدان کج و بن  
 بلہ نیکو کار اسن نیک لوک  
 ظلم عاملن میند سو نیک از حد انک

### روایت از فضل بن عباس رضی اللہ عنہ

وچھ سیر لکھن چھو کیا تم خاصہ  
 دج گندت بر سر چھ زازار چین

کر روایت فضل بن عباسی  
 تخف کرت عباس کھسرا ز جہر دی

بلہ ز ر بیمار کو سلطان دین  
 اسنہ اسنہ مسجد منزیام زلے



منبریں کھت حضرت بلا لسی  
 کرندا بازار و کوچہ سیر تھی  
 کرندا حضرت بلا لسن سولہ سو  
 برو تھی تت کیک و نن رور تھی  
 دورہ دورہ پتہ سارن میہی  
 تمنہ بین برو تھ کنیم تپہ چھو  
 نادوت انموہ لو کوہر این  
 وقت فتن با یقین نزدیک ام  
 کینسہ اکس تو ہی ایدا دتوم  
 کینسہ اکس عزتس ماہ کرم  
 کینسہ ید لایم پین کر نم قصاص  
 در جیات این زبان ہورن برن  
 بتھونہ گڑھو کا کھ بوسوس مشعل  
 از عدوت صاف چھو آئینہ پاک  
 توہہ منترہ چھو مہ سوی اک و تر  
 بیہ فر فر و نہ ہو با صد کرم  
 بیہ و لوہک فی یہ برو تھ اسک نا  
 موکہ لا و و ول مہ دار و تر دیم  
 لیک نام وجہ کریم متمتی  
 توہہ نشہ آوا شکستہ دلا  
 حضرت فضلس پون صد کرم  
 اسہ کوہنہ دارہ کینہ ہورن برن  
 چھہ فضیحت دینا ہج با کل سہل  
 عرض نہایت چھو و زہ بوا صفا

پانہ فرما وک نکوا عم السی  
 لوک از بہر و صیت سر سہر  
 ناد و یوان چھو رسول نیلخو  
 لوک بڈتہ مردوزن از خاص عام  
 جای چھکنہ کتہ تھا و ن تمنہ پا  
 گوڈہ بر منبر پروک حمد خدا  
 میہان و صیت چھو وقت اخرین  
 توہہ اندر گدراوم یوت کال  
 کینسہ مابے وجہ زاہ پیسہ ستوم  
 کینسہ ما کینہہ دارہ سوئے منکن این  
 از قصاص آخرت کر نم خلاص  
 مند چھن کینہہ گڑھنہ فکرن کرہن  
 پر بات ما کرہن از رده دل  
 چھوم مہ گڑھن سوی خلاق جہا  
 پس پین حق بہت تیم لوکن اندر  
 منبرہ بن و تھہ پرک پیشین نماز  
 درا و شخصہ نام برو تھکن امتیاز  
 حضرتن پوہل توہی اسوس نان  
 کسہ نشہ بہت تیم دریم چھم دتمتی  
 تا کہ و حکمے کن زود زود  
 چھم زہ دتمت دس لکان تر توئی ام  
 از فضیحت لکنہ ہرگز تہ کھورن  
 عقبے آج تمنبر چھہ بڈشنہ چھل  
 ترن درن نفس بن چھوم فر متوی

گڑھہ بلا و در مدنیہ سیر تھی  
 خاص عام آلوک برو تھ کن زود  
 بیدرگی اے مردم بوز تھی  
 آیہ مسجد بر نہ ساری زاز دہام  
 حضرتن فرما و یارن او سحوا  
 ادہ کر وک پانہ لوکن کن ندا  
 ی و ن چھوم دارہ بوز و ناگ عام  
 کینسہ اکس مہ کر مت چھو مال  
 کینسہ اکس مہ زاہ دل فرط  
 مال خود زانت زمال مس بنین  
 کا کھ اگر واریم مہ کینہہ ادا کرن  
 لکنہ تکیس فضیحتی کھورن  
 سینہ کر نم خالقن از کینہہ پاک  
 پاک سن گڑھہ از ہر این و ان  
 ظاہر و نہ کوہ توہہ تا شیر کم  
 منبریں کھت بیہ با صد امتیاز  
 عرض کرنی اے رسول محترم  
 کرسم ان پے بوہر زبان  
 عرض کرن دومہہ اکی سا بڈا  
 دس ترہ دریم در رہ رب الودو  
 ادہ دپوہک اہل دین کوشش کرن  
 لوکنی اندر گڑھہ ما عیب نن  
 نام شخصہ و تھو دین یا مصطفی  
 در غنیمت چھوم خیانت کر متوی



حضرت دپو پس چنین کردی چرا  
تا بری الزمه کرد این جوان  
بد صفت کاس خداز فضل خاص  
بد صفت جواره همیم دل همیم ملول  
حضرت تل در زبان ریت دعا  
تجسوس پس از کونه نذر مهند تصور  
کار ناشایسته چپوس بار کرا  
گروهه ایمان با سلامت آسود  
حضرت دپو پس چپوس سوامی تیج  
نیز آسن اولین و آخرین

توره دپو پیوم حاجت سرور  
بیه دپو یک کینسته چپو بد صفت  
گروهه در دنیا و عقبی سوی خلاص  
اپرس عات گمت چپو اک مدام  
یا الهی راستی کرتش عطا  
بیاک شخصاً او چپو بد عادتاً  
منگ ندر آس ای شیه پیما  
نام فاروقی دپو سائے بد مینر  
سهل و آسان بد چپو سوامی تیج  
منکو دغانین الی از کرم

حضرت فضل پس دپو یک سرور  
ن کرکرت باو و دعا بگو کره تن  
وتحه اکتفا عقد عرض کرن یار سوا  
بیه ندر رچیم یوان صبح و شام  
خواب غفلت یار با کرسش دور  
چپوس منافق بیه یار سوا  
یم زه بدت گره همیم کاسنوی  
کرته شیر سواره اس لوکن اندک  
نته رسوامی چپو از حد بدترین  
نور ایمان دس کرن تیر محترم

از نفاق و کذب فرتن یا الهی مستقی صاف کرن یا الهی

## روایت دیگر

این روایت شنیده یار عزیز  
آس یوان پیش حضرت باباز  
آس شیرا مسجدی منز شریعت  
ترن دوین اده مکنه نیت تهاو  
اولے بو وقت خفتن با کمال  
یارور سچی چپو پران باباز  
تام فریاوک بلا پس اے هم  
سوی ازین پس چپو نام ایل باز  
در متقا خاص تو اے نازنین  
گریه کرس غلبه تی کر گروه جان  
بیه دپو یک حضرت بر خاست عام

در معارج چپو لکھان ایل متیر  
یا نبی توه لطف و کرامت کرو  
گره آزان آس نماز اه پرت  
نته بوز و بیاک و ابیت یه واژ  
وانت بر در وازه حجره بلال  
آس واکش شپو رختن زور سران  
دپ صدیق اکبر پس سپنوا امام  
عالبته صدیقینی دپو یار سوا  
کته درت بکر سرگز و لخرین  
بد دپو عمر خطا پس سوی پر  
حضرت صدیق اکبر چپو امام

حضرت بلال بروقت نماز  
وقت نماز و اتوا مامت کرو  
بله بیماری سبهاه کراشتداد  
اتحه گیگ سر سب سداه جهاژ  
عرض کرن یار سوا اللہ نماز  
مکنه و تهمت آس گیمیت ناتوان  
لوک ممت ادا کرن خفتن نماز  
بابه میونوی مکنه دل تس چپو مل  
یام قرات مبه پرک نا کمان  
لوک ممت خفتن امانت سوی کر  
عاش دپو بیه هر کر کردرن



اشک بیکت قرات کرین  
عاش و پوسن کو کشن کیمت  
یہنرہ جلے بیاک کاہنہ کرم ترین  
ہکنہ ون کاتھ ات اندر کھن کلام  
نالہ دیوان مسجد اندر سو تراو  
ناٹھ پوی کونہ کیوس ڈونے  
پیہ ہم نہ کر لوٹ ہم و احسرتا  
سینہ بریان گوم و جھیت جانکدار  
حضرت صدیق اکبر چھو مام  
حضرت صدیق اکبر نا مدار  
یام ڈیو کھن خالی از خیر البشر  
اہل مسجد اسیم تم بقرار  
گو کھن آنحضرت کر یک سو شور  
فاطمین پوجان من بادت شمار  
یم گمت ساری ملول و الحزین  
تیکہ کرت تہنی پٹ زود تر  
ادہ دیوکل ای گروہ دلنواز  
گڑھ بو توہ چھوہ حوالہ خاش  
وہو نعم الناصر و نعم الحفیظ

حضرت تود پو عالیشو خاموش کر  
آسوئی سو روی برائے مصلحت  
حضرتن مے یام فر فر و نومہ ای  
بارضا ساری کرن شش ن امام  
وائے افسوس باجہ کوہ زایوس بو  
یازولہ لے کونہ میوس بویتے  
بوز تو یار و نبی مختار سون  
ہکنہ نیرت پوراز بہرمن ساز  
تس دیوزین پس امامت سو کوری  
بر امامت و تھ سین میت نیار  
زور گزین سخت لوک از فراق  
گے سر سرودنہ لک تم زار زار  
تیم دیوکل فاطمو و تم خبستر  
یار در مسجد چھم گریاں بزار  
حضرت عباس بیہ شیر خا  
درائے در مسجد سول نامور  
وقت رفتن آدمی بالکل قرین  
صبر کرو حمد پرو مالکس  
بر شما باد اے گروہ مومنان

وخل جانی کر چھو سرگزات اندر  
رای کیم کر صحابہ خوش گزھن  
تیم زالوم کت تہ محکم ون کئی  
امر بوزت حضرت بلال آوا  
کہ خاطر دنیا پس یوس بو  
وچھ ہانہ یوت غم و احسرتا  
زیادہ از بیمار چھو سالار سون  
یا امیر المومنین فرمان آم  
وکنسٹ لوک بہت خفتن پرین  
منبرس کن تمام پیس اک نظر  
گیہ لے خود پیہ پتھر اشتیاق  
شور زور و تھو تو فراقن سخت  
شور و غوغا کیا چھو و تھمت سخت  
در فراق ت یا شفیع المذنبین  
انہ ناوک و لوئے مرد خدای  
لوک بہت آدا کرک خفتن نماز  
میشوم و اہل رب العالمین  
سوی خلیفہ مسیون چھو نا حفظ  
ترس پر مہیر از خداوند جہان

در عبادت پیغمبر راہ سستی کرو | جان دل در راہ حق چستی کرو

روایت از حضرت معاذ بن جبل رضی اللہ عنہ

چھوی بہ در قصہ معاذ بن جبل  
نجیر و نیکی و اتنا و باز نان  
زندگانی رزمین سستی کرو  
در قیامت کس چھوی سین نافضا

وچھ ترہ پانہ پر عبارت بی خلل  
بیم زنا نہ چھو مانا ت خد  
لے کنہ راہ لایر کنہ یسم برو  
بیہ منڈن تہ یتمن رو کرو

بیہ پو یک ای گروہ مومنان  
ہم حلال از عز کلمات خدا  
بیکہ پیس لایہ باژن از عناد  
دل شکستن پیتن ہنر پڑ برو



محسنین بخدا چو دستدار  
تھرو لو واره متن ہنسریڈ برو  
اینہ کن زارہ تہ دیز کنہ کرن  
نیک بد پر مایہ تہ کم پائی  
در حق ہمسایہ جبریل نام  
بہ ماہمسایہ وارث کرنہ  
پانترہ وقتہ کر زہ آدائے مساز  
حصہ تم سلام دنیوک را وراو  
مالدار آسوتہ یر پر و ابرو  
ہم بہاں وسم ہاں و ہم عیال  
زاد راہ زائے چھو عفو خد  
تیت گرس اڑہ نوی شیطا نس حرام  
وَن سَم چھو از حدائے دو جہان  
برو نہ بین کریم درین مجلس فصاح  
دراو شخصہ او پیش آنجناب  
مول موچی میون بویئے زری فدا  
جنگ برہ دوہہ لوی ای نامدر  
پشتی شند کڈ و خویر نر تر  
حضرت دپوائے بلال خوش نفس  
از قصاص اُخرت گزشتہ بونخال  
چانو قصاص وَن اسی کر زہ زو  
بوزہ کس فریاد تہ زاری اسی  
زوہ ہانہ روزہ ہازین غم خالص  
برہ کس خلقس کرن ولول صدا

متصدق کم متن آسرزگار  
ی و لو پاس بیہ کھیوتہ چیو  
کھوڑہ زہ تکلیفس تنفس جمع نامن  
یڈ لوی نام سموسایہ کری  
توت می کریم دوئے تاکب دتا  
بیہ کھوڑو حاس تقوی کرو  
یا امام دبا جماعت بانی ساز  
روزہ تھا دو ماہ رمضان اندر  
ماسی پنپس زکوت آدا کرو  
خیر و برکت زور کرو ویزد تعال  
روز و شب کر زو تلاوت قرآن  
پرہ ناویوک شیرین قرآن تمام  
کینسہ ماکنہہ دارہ مو کر تو بیان  
پیش خالق بچھنہ در روز جزا  
ناوس عکاشہ از جملہ صحاب  
پانہ زہ فرماوہ ہا سی شاہ دین  
بلکہ غضبان اونشی آسو سوار  
بابعداً یا کہ سپد و توہم سو  
منک کھرت سوی قمچی بی نامس  
دراو بر سر تھ دت حضرت بلال  
ژی تپہ وَن یابی اس کیاہ کرو  
وای کت کتو ابجہ نشہ زاس بو  
وچھہ مانہ چان رحلت تہ قصاص  
ناطمس اندرہ ندا کر کیستی

توہ غلامن تہ کینرن رتو کرو  
تی متن لاکیوتہ تی کھن چن دیو  
بیہ کرو رتو نیونی ہمسایہ  
یورہ کر زس رنگہ رنگہ دلی  
بوز تھن مے اوکسان کرنہ  
بچھنہ سہ نارہ دزو پروا برو  
یم نمازی ترن دوہن بقصد  
روزہ از نان ستم چھو سپر  
حج بیت اللہ کرو بازاد راہ  
بیت گرس قرآن سی پر نہ نام  
وسعت برکت کرو حق پیکران  
رحمتس توہم لور روز ووالسلام  
کینسہ سرگاہ لایموز عام وخال  
اسہ مے پٹ کاٹھ شکایت نامرا  
عرض کرن چھو کٹھ محبوب خدا  
یمہ ہانہ برنٹھ کن از بہر این  
دوہہ بھی قمچی آسو تیز تر  
بدلہ شویم و نو گزھی از حق محو  
چھم عکاشس برابر دوقصاص  
نالہ دیون واندیا اینچہ حال  
کری کس یاری تہ غمخواری سی  
کہ خاطرہ دینا اس پٹ آم  
آوہ بی بی نامس کن غمزداد  
بردرم استادہ بہر چستی



کر بلا لکن کر یک یا حضرت تنول  
 دم انت جلدی گره منوع بهت رکن  
 عرض کرن ای بتول ذوالخوص  
 نور چنان میان چمتی است بلال  
 تنبه سبتن کم چھ اندر صغف حال  
 خون دل ماران اما سن دن پین  
 آنجنابن قمچه رلودر دست خویش  
 نام تقد و تحه چار یار با صفا  
 حضرتن دپونک بهو یار و تحیر  
 اینچه حال و اینچه نال و اینچه کار  
 و تحه علی مرتضاد و باره تحه  
 مخیر کونین قبول اللہ ہیوی  
 چھوی اماندار و حی سمان  
 بوی مین بدله چھوی کرمی قصاص  
 حضرتو دپوئس به به برائے خود  
 اسہ دون لاینک شری گزلاش  
 حضرتو دپوئس عینو افتا  
 بتھو مہ چھوی شری لایت تھو مہ لائے  
 توتہ تراو و سینہ تہ شائینوی  
 سینہ ٹھو و دیر یان تا شکم  
 مہر نبوت دراوین شان اندر  
 عرق نشی مشکنی فوار درائے  
 کش کڈت نرن عکاشه و تھو فو  
 نالہ متسی شاہ رٹن چارہ تھی

جنگ بدرک قمچہ سول یو یار سول  
 فاطمین پوتت بلا لوبکاه کرن  
 از بنی منکان چھو عکاشه قصاص  
 دپ متن و پیش اسی دن کرن قصاص  
 ژندیم زالت مین چھوی و بال  
 والدن دپوئس عکاشه سسی  
 رٹ عکاشه قمچہ سوی چھو یک پیش  
 یا عکاشه بد کرک خوامی قصاص  
 باسم اللہ فیکھو کل الدھر  
 پانہ تھو و تحه سید ذوالاختصاص  
 اے عکاشه مصطفیٰ چھو نیازہ و و  
 شے نام المتقین چھو نیازہ و و  
 ابرہہ رٹ اسی چھو بر سر سیان  
 اکہ فزحجہ جایہ می اکہ ساس لای  
 بادل اللہ فیکہ ای شیر صمد  
 اسہ دون لاین چھو مینی لاینوی  
 کنبہ مہ دپوئس اللہ فیکہ  
 عرض کرن اے رسول محتشم  
 گزہ برابر بدل میو لوی مہوی  
 یک عکاشو زود تر کرون قصاص  
 عرق و سان سار فی تلن اندر  
 مہر نبوت چھو ک شانن اندر  
 نلو و چیت یار و بکر یہ سخت شور  
 مہر نبوتس تہ سینس لوسہ با

سوی منکان چھو بادشاہ لاکان  
 کوہ بایت سوی منگوی خمیرن  
 فاطمہ رنج و دہنہ بیلہ بوزن پیل  
 آنجنابن کرارین مہوی خلاص  
 قمچہ سوی دلوئس کڈت ای پین  
 لائے اسی تراو خیر الناکسی  
 رٹ عکاشن قمچہ یام مصطفیٰ  
 کر اسی روان مصطفیٰ تراوان خلاص  
 بیٹھہ تھو زدنوی گریان برار  
 یک عکاشو بر و تھو کرون قصاص  
 اے عکاشه چھوی رسول اللہ ہیوی  
 بڈ شفیع المذنبین چھو نیازہ و و  
 بد کرن خوامی مین شری چھوی قصاص  
 یک چھو شیر بیمار کر ترس خدائے  
 نام و تحه حسین دپوئس ای عکاش  
 اس جگر گوشہ زہ چھو نیازہ و و  
 نام دپوئس بروٹھ یک مروندہ  
 نتھہ ننوی آسومہ تھو ششم  
 حضرتو ننو تراوہ تہا پشت ہم  
 از قصاص آخرت گزہ بون خلاص  
 مہر نشی لعلہ انوار درائے  
 شیر منور عبیر و خوشبوی تر  
 وات نکھ تل قمچہ دتن دار تھی  
 و تہ دین جان میو لوی ی فدا



جان وندان سپینہ بے کینسی از دو عالم جاقفس تری چھوک بُدا تس بخش ذات باری ز راه گنا بیانہ جسمک مشک پس کھسہ در مشام کرتوئے مہ جملہ اے محبوب حق کر قصاص ید و کرن چھوکی ریا حضرت دپوس بخشے بُد خدائے می بری کر یک بخشے ذوالجلال میٹھ دتہ می پانہ شکیم پا کسی از خدا بویہ درود دوم سلام آس و دان یار ساری بنو نبوی خالق بخشوی ز غم آزاد کرے رومی نور فرکادہ یارن کنوی منغرت سپنور رب العالمین ونہ تمامی یار عکاشش کنوی مر حبا چچی خالق جنت دتوی	چشمہ وندان نورہ کس جبینہ سی راہ مہ روزن سوی از عالم خالص پس تر نسبت ترے تیجہ فعل تباہ تس بفضل لطف خودیت انا م حمد ذاتس و ان ترلم از سبندہ دق تور دین بخش حضرت می قصاص متنہ بخشے زری خصوصیت نہ وبال عرض کرن یا نبی حاصل مرام بوسہ دتہ می مہر شرفناسی آسوعکاشہ و دان کر یہ کران خون ہاران کد تراوت بنو کنوی ذات باری گوی بہر زان لاکلام بی دپوک سارن وفا دارن کنوی ترے پس چہین بوی کا نہ زائل جہا از محبت چھنہ لگ تس بنو نبوی نعمت رضوان دتوی حضرت حقن	خون ہاران جان من اوت فدا پس کری تری شاہ کو نہیں قصاص بوز مہنت اسم دپو تو مہ ادا نام نار و وزح سر سبسر پٹ حرام حضرت دپو پس مہ کرے ترے جہا دوہ کرم از جہنم حق خدایں در قمارت و دتہ ون کنتہ بنا بوی چالوی کرے مہ ولتن در مشام شکر لہ سپونہ مے حاصل مرام آتش کدہ خون دل آسوی ہران حضرت دپو پس عکاشو شاد کرے نار و وزح کو ترے پٹ قطعاً حرام کدہ تو لیو تقد مہ سپنور غمین سوی چھین سوی عکاشہ پاک شان بوسہ کرے ساروی تقد دتہ دتہ درجہ اعلیٰ دتوی حضرت حقن
----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

گو عکاشہ خوش فرط انبساط | ات دین اشعار با سوز و نشاط

## خوشنودی در تعریف رسول اکرم صلی اللہ علیہ وسلم

اے شہدینا و دین قربان لگے چھوک ترے ختم المرسلین قربان لگے تری سلیمان و سکندر زبرد تھد نہ بد اسلام دین قربان لگے عیم امت کوت کھیتو تم و مہدم	و مہ برج یقین قربان لگے روی انور چالو چہم شمس الضحا خون فیضک یزہ چین قربان لگے آسہ سپو ربان سٹھاہ ارمان کران چھوک شفیع المذنبین قربان لگے	انبیاء کن مسلمان سر دار تری خوی خوشتر انگبین قربان لگے مشرق مغرب کرت روشن بکام فیض و غفور چین قربان لگے رحمتہ للعالمین قربان لگے
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



می کرم دعوائے فصالح رفق جاو تراوت بر زمین قربان گما منع کر تھک از زبان دریشان کینسہ مندی ز کتہ کین قربان گما خوشخبر و نعم ز بر دل کوم خوش مع الک جمعین قربان گما	پانہ جسم نازنین قربان گما یار ساری آئے و تحت ہر طرف کنہہ منبوس بہرین قربان گما ہمتیں چانس فداجان و جگر خوش تہ رب العالمین قربان گما کل یوم لیلۃ متتابعہ	عرض کرم یام عربان بوسہ تمام نارضا و خشمکین قربان گما بیدہ و ندے نام پاکس کو نہ چھو از خدا صد آفرین قربان گما صلوات اللہ علیک بالذوال کل وقت کل حسین قربان گما
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

علیس کن اک نظر کرا ز کرم چھوی پریشان غمین قربان گما  
موکلہ یاد بہت عکاشہ زین کلام رائے در حجر رسول نبکینا

## روایت دیگر از معراج

این روایت باز بشنو ای جوان تا بدر حجر کرک پاک شائے پروہ حجر کتل جنابین سرسبر کز تبسم حضرت کیاہ دلنواز کہ نماز آلو انجماعت کنند تھ سنین باونس لپت منیر	پتمہ زندر وارہ شاہ دو جہان آس پران بوبکر صبح منہ ساز مسجد اندر صفین تراون نظر گوایر المومنین واقف از ان در درون آیند امامت کنند تمہ دوہہ کرسفر آنسورن	دنورن پٹ تیکہ کرت و تھہ پٹ مسجد اندر متین لوک بانیاز خوش سپن ستادہ ڈیجھک دینا رائے کیس آئے باز بہر ان پت متین نیرن نبین غمیر دیر زین جہان بیوفادین پردن
----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

## روایت دیگر

این روایت باز بشنو بارضا ساروی پوس نو حضرت خبر تورہ دیو یک خالقس حمد و ثنا اتھ ریت نیون دیونس ولی از کہ پتہ تریہ دوہہ مصطفیٰ سر نکوی دروے کرتو پورین	دراوشہر حق علی سر تضا کتہ پاٹھن از چہ شاہ دو جہان برو نمٹی خوتہ وارہ از طاہرینا استہ استہ باونس ز زیر کوش کرہ حلت زین جہان بیوفا سوی نشانہ در جبین شاہ دین	از حضور مصطفیٰ یارن اندر شافع و غمخوار جملہ مومنان حضرت عباسی شاہ علی کت نے بنہ بیاک بوزی کرہ یس نشان اولاد عبد المطلبین از و چھوم می چھوس گمت زانین
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



یک دوشے پیش رسول اللہ ﷺ  
ید بیس دن تو تہ کرواک کتھا  
تورہ دپس چھوم قسم از ذوالجلال

از خلافت اس متن دونے پر ہو  
عرض خدمت اس کرو دونوی  
زامتہ کرنے حضرت بو تھو سوال

اسہ ہر گاہ دن اتہ گو تہ سٹھا  
سان تھا ووس سفار س کنہہ  
کہا چھو دنیا بونگک دنیا کرمت

## روایت دیگر از علی مرتضیٰ کرم اللہ تعالیٰ وجہہ

ابن روایت بنوا زکوش رضا  
لگ و صیتر کرنے تم از سر مراد  
تورہ دپس دل ازین دنیا دن  
تام گے سیدار کرک بی بیان  
تام دپس بروٹھ یک شیر جبار  
متغیر گوگ دے کو چھے اندر  
فاطمین کر تام روئیس کن نظر  
لائند یابی از بے طاقتی  
بابہ و ن کس ناز برداری کرم  
باوہ کس سر راوہ بیس ہی ہو پیر  
وائے شیم دیدہ رخسار چان  
مشرک چشمہ تیجھے کن وز تھی  
گیہ حضرت فاطمہ نزدیک پیش  
در فرام صبر بخش لے خدا  
دور کنہ دن چھو نبیہ ای نور البصر  
گفت اور حضرت جبریل کرار  
حضرتن فرما و س ای شیر نر  
رٹہ ناشر تہ نہ ناجوش جگر

چھوی یہ فرمان علی مرتضیٰ  
عرض کرمت تم و صیتر یا رسول  
چھوم تنگ امت سٹھا اید و فنون  
یا خمی جبریل صدق و صفا  
سر مبارک دے رک اندر کنار  
لگو عرق و سنے جہنمیں بار بار  
رنگ رخسار ش و چھن نور دگر  
حسینین تحفہ زن باہر دوست  
دن اماں کس خریداری کرم  
وائے این گو شم مدر گفتار چان  
کتہ دیشن گرم خوش رفتار چان  
تام دپس بروٹھ کن یک فاطمو  
تھا و س بر سینہ دست پاک خو  
چھے بشارت فاطموئی یاد تھا  
در کشاکش سرک چھوی جان پد  
رہو پ کرائے فاطمہ کر یہ مہ کر  
منہ کر تس ہارتن اشو بر پیر  
بیہ و چک چشمہ زن بیوش گے

یکہ کر بیمارہ ز ر ز ر اشتداد  
چون و داعی میکنی دل کوم ملول  
ڈکی توک چشمہ و چک اندر زمان  
پتہ ولول کرنے نت وعدس وفا  
رنگ رخسار مبارک سر سر  
سو سو لگو و لنی دردانہ وار  
تھو تخت کبہ تام از بے فرصتی  
گریہ نہ زاری کران ز دل شکست  
وای بر حال من شکستہ پد  
کتہ بوزن نرم خوش اظہار چان  
فاطمین تم ناکہ شیون بوز تھی  
صبر کر تو تان ہکشی فاطمو  
بہر زہر آہنجا بن منگو و س  
سارنی بروٹھ یک منہ نش و لشاد  
فاطمین متو بیہ و دن زار زار  
چانہ کر یہ یم چھو کتران تنگ تر  
یا علی چیم فاطمہ گوشہ جگر  
از لکھم ساکن و خاموش گے

فاطمین نامت اماں دن و دنوی | کو نہ بڈ باس یون چھو بروٹھ کنوی



وقت آخر از کمال کرمیت آئے صاحبزادہ پیش آن جناب چان رحلت یابی کوتاہ ز رو یابی پادشاه وندی بنو نور عین	دیوہ کر نواز ترحم مرحمت نالہ دیوان اس دیوان شہ سن در فراق صبر اس کوتاہ کرو چشمہ موثر رت وارہ کرم اک نظر	دیدہ گریاں سببہ بریان دل کربا یار رسول اللہ وندے بوجان تن حالہ اکہ نالہ دیوان شہ حسین فولہ ہم دل بلہ ہم زخم جگر
---------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

از لب شکر نشان کرم کتھاہ | بوزیم جان روزیم بد فرختہاہ

یار رسول اللہ ضحیٰ روئیں لکے پارات چائیں غسل خوئیں لکے روی انور موی عبس خوش لکے پارت کوئی نیکوئیں لکے	پارات وایل کس موئیں لکے اک کتھاہ کرم ستھاؤ و عالمی پارات گل آکس بویں لکے مشرق و مغرب کرت روشن دین	چشم بادامین لکے کرم نظر پارات چائیں شکر گوئیں لکے یمہ کو چہ سو ہم نیران بن ساز پارات رای خدا جوئیں لکے
----------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------

قلب پاکس امتوںک غم چھوی نسبت | پارات بونخوی خوشخوئیں لکے

بوتہ میوہ لوی بوی بامادر پدر پیتن کن کس نگہیانی کری اس یوان نالہ دیوان در فراق دیدہ گریاں تر پریشان از کبسا واندیاڑی پتہ اس کیاہ کرو بے حس و بے پرکمی غمکین مہت یا علی در باز تھاؤ و آودق زالہ ناشربلہ ناز خم جگر ژائی اشرف مہاجر بنو بنوی صبر کرو سوی حی الاموت انتن ید سارنی اننو پتہ از خیانت کر زہ تقویٰ برزہ غم یوتھنہ غفلت پتہ اندر شرع دین واتناؤ مک امرتہ حکام چہون	بیکس و بے سر سپن شکستہ پر اس ازواج مطہر سر سبز سببہ بریان دل پریشان چاک یام بوزک گریہ زاری ز درون کس کن غمخواری کری کوتاہ ز کس کری تیماردن یارن ہند اس کرو دیدار آن محبوب حق نالہ بوزت مہر کر اس سرورن آئے انصار اکابر بنو بنوی برگزیدہ زبده مہت تو ہی جنتن توہ بروئھا اثر و با حرمندہ کر زہ حکامن اندر تر رہ تمام یوتھنہ زحمتہ پتہ اندر ورع دین مرضاؤن دپو کرک تیوی کلام	کس متین کن مہربانی کری بر سر بالین سرور دیدہ تر اک جماعتہاہ اس بردار صفا اشہ کنی تارنے لک جوئی خون بیکس و بے سرکمی مسکین مہت کس ہی دن عار بیکارن ہند روئی پاکس کن کرو اس اک نظر موثرہ رو بریم اژن درشن کرن حضرتن کرنک وصیت در سکوت پیش حق چھو خاص حرمت تو ہی برامنت وز زیو ثابت قدم برزہ پرواز انزن قران امام تمام دپوک یا الہ پیغام چہون چشمہ و چک بیہ کی بہوش تام
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



منہ جہینت عرقنی دتوبیہ زور  
 تودہ دتوبیہ و وہ باجلدی بنر  
 یار سول اللہ فی حق می کریم  
 جھوٹی رزہ قرآن سرسبز نش  
 بزہ پروا کنج خانہ کریم جانے  
 و د نہایت روز روزی عایشہ  
 ہم سلیم عرض کرای خاص رب  
 کہ خطیر یوت اشو چشمیں کران  
 امتی میانی مہ پتہ کیا کریں  
 عرض کر نک بارہ جھوم می اک سوال  
 توره دیو پس ختمس منکر کارم  
 از خداوند زمین و آسمان  
 توره دیو پس دہ بر کوثریم  
 رحمت حق اسہ چھاوان متس  
 توره دیو پس اسہ بر زمین ادہ  
 گو گویم حسناتہا ہی متی  
 توره دیو پس ادہ بی بی فاطمہ  
 متس تہ اسہ دیوانہ تار  
 بیہ نامت چشم بہارک و ملک  
 بیاک رویت بوزای تیز زمین  
 ترک و دین کو خوار ذات آج  
 از جناب کہر دے حکم آو  
 گو وہ حال چچان جھپس ساری شہر  
 تہ ختمس جھلتے کوں محکم

قطرہ لکٹس میں بنی بیاؤ زیور  
 درایے نہر تم و دان با اتہال  
 دن تیم کیشراہ وصیت دے کریم  
 استقامت کر زہری بڑی صبر  
 تی چھو در قرآن فرماوان خدے  
 آرو نور گریہ زار عایشہ  
 تودہ زحق مخفور جھوٹ کی مہلب  
 حضرتن فیرت دیو پس نامت جوا  
 خامہ یونہی سران ناوہ پران  
 روز محشر و نہ بوگارت کتے  
 دیو پس حمدت می ژہاریم  
 عرض کرنے تہ نے زن اسہم  
 تہ بولے فاطمہ موت و ن دیم  
 عرض کرین تہ نے آہم استے  
 بر شفاعت استیں تہ تہ دلہ  
 عرض کرین تہ نے ڈرشت کوئی  
 بر کنار نار و زرخ اسہ بولہ  
 فاطمہ گریہ نہایت شادمان  
 و کہ پتہ بیہ عرق دہر دہر فٹک  
 جھوٹی لکھاں اندر سیر ملاطین  
 آو جہیز کل امین اسے کامیراب  
 و پس نبی پس پ گزہ تہ میانی ملک  
 ایک نے جو نیم پر زہر اس گزہ و قدر  
 حضرتن دیو پس جھپس پانس خیر

می اشارہ کر صحت بن زور  
 آیہ حضرت عایشہ کر نک سوال  
 حضرتن فیرت دیو پس ای عایشہ  
 رزہ حکم عروۃ الوثقای صبر  
 ہم و میشر بوز بوزی عایشہ  
 حضرتن اشو دار و تھو چشم نشہ  
 کوہ باپت یوت جھوٹ گریہ کران  
 بہر بہت جھوم یہ ساروی غطراب  
 ہم بی بی فاطمہ من بر حسب حال  
 بزرگ تہ بد سو نہرت امن سیتے  
 متس تہ مغفرت اسہ منگان  
 کہ جالے غم فرقت کا سہم  
 آپ کوثر اسہ چھاوان متس  
 ادہ کت کت کن لارہ کن دیم کتے  
 اسہ منگان ذات باکس یوتی  
 ادہ کت جالے تہ بوزین دنی  
 بتو فراتی اسہ زامت بونار  
 حمد دین سوئی خلاق جہان

## روایت دیگر

عرض کرین اسے سوال نیکام  
 یہاں طرفہ حال پر زہر من کام  
 کادہ دیو پس کتہ کر من جھپس  
 لیکن اسے داد جھوم می سخت



سوی خبر مت نام گور روح الامین  
 یابنی بیمار هندوی حال باد  
 ترن دوین جبریل از درگاه حی  
 اده کو مامور حضرت عزریل  
 آوه عزریل با صد احتشام  
 پرت اکس جمعیت تابع یک ملک  
 دات بر در و دران انتظار  
 عرض کرن پیش ختم المسلبین  
 بر در حجر چو ستاده بجان  
 سوز مت پانه بنحمت مالکین  
 کینسه اکس زاه ته کرین سر شعی  
 اثره اندر کره کار خود روان  
 یار سول الله کرے بوجانفدا  
 بالضرع و زار و عظیم و ادب  
 یزدنی اقرار کر ز قبض روح  
 یعنی هر گونه حکمش تن زه  
 حضرتن کر جبریل کس کن نظر  
 حق تعالی چھوی زه مشتاق لقا  
 جبریلین نام کرنک الوداع  
 تاجدار و منخر ارض و فلک  
 الوداع اے غمگسار عایان  
 آسوتوی میون و سن بر زمین  
 چانه گرھنه وین بود حی آسمان  
 زخم فرقت بر دلم مے مانده آه

در حضور خاص رب العالمین  
 ذات پاکن بیه سوزس یابنی  
 آسویان بهر پر کشش پے پے  
 از حضور خاص آن رب الجلیل  
 بیباک ملک مت تس اسماعیل نام  
 نته لکھمت تس چھ تابع پور لچھ  
 از عبادت دینہ بونہ موکہ جار  
 یابنی پادن کری بوجان فدا  
 بہر در آمد چھو اجازت منگان  
 کینسه پانه چھونہ امت کیا بجان  
 کر اجازت کینسه منگی تہ شرمعی  
 اذن بوزت ترا و ملک الموت یام  
 آم از در گاہ حق لطفک ندا  
 عرض کر زک سی دینی تی سربر  
 بانہر ان انبساط باستوح  
 چھوس توے ستاده اندر انتظار  
 یعنی ون کیا مصلحت ای نامور  
 حضرتن کرنس اشارہ ای ملک  
 الوداع ای شاہ عالم الوداع  
 الوداع ای شافع بوم التنا  
 مشفق و ماوی دل شکستگان  
 میون و سن آسوتوی نشن نام  
 و سن کس نشن ت بولے شاہ بہا  
 سی دنت پس در و جبریل امین

شب سپین آدانه پگاہ بیه آو  
 گزشتہ خبر ان از رسول عربی

## روایت دیگر

تس چھ سنت تس تس تابع از ملک  
 پرت اکس لچھ لچھ لچھ تابع نور چھ  
 یام از پر کشش سپین فارغ این  
 ملک الموت آواز امر خود  
 از پے عظیم روحنت خالقن  
 کینسه اجازت چھنہ منکمت مالک  
 توره دپوس تس اجازت زبان  
 گل زه گنڈت حضرت تس تم کر سلام  
 و سن زه اندر خدمت شاہ عرب  
 پال حکم سرور جن و بشر  
 ید منع کرنے توفیرت یزہ  
 سی زه دپیم کرہ تی انجام کار  
 جبریلین عرض کرے با لقا  
 کر یہ فرمان خدا چھوی بر چھ  
 اے مطارع جن و انسان ملک  
 الوداع اے قبلہ اہل و داد  
 الوداع اے رحمۃ للعالمین  
 وحی مت آسوس یون ہر صبح وام  
 الوداع اے مہبط وحی آلہ  
 السلام علیک ای سلفا دین



# روایت دیگر

این روایت باز شنو پیر گهر  
یعنی عبد اللہ عباسی نشی  
کہ بگفت آن خالق اشباح کل  
بہر قبض روح ختم المرسلین<sup>۲</sup>  
باینار و با ادب کر زک سلام  
یزدی رخصت نہ بیشک کر زکار  
در او عزرائیل با شان شکوہ  
پانہ عزرائیل با سیامان خویش  
بر سر اسپان ابلق ہم ملک  
رود بر در شکل عمرانی کرت  
مے دیور رخصت ازہ خجس اندر  
آہں حضرت فاطمہ بس دکنزین  
فاطمہ دپوس نڈا بوزت جواب  
یم چھ اندر عالم دیگر بکار  
آہں ہم در حجرہ اسل بیت پاک  
چشمہ موثرک از زبان درفشان  
عرض کر یک آتہن اعزبیا  
ازہ اندر پیش شاہ دو جہان  
حضرتن دپو فاطمہ ای فاطمو  
زانہ اک اللہ تہ تمہ سند رسول  
یہ چھوی سوی سولہ دم اللہ چھوی  
یہ چھوی سوی بس باہر کورن زمین کران

چھی محدث بی و نان اہل کسیر  
در معارج پانہ و چھے با صفا  
وتھہ لکان کر قابض روح کل  
بر در حجرہ استادہ روز تھی  
استہ استہ ادبہ بیان کر زک کلام  
حکم نے دتونی برای قبض روح  
سیت بہت ملکن منہری بڈاگ  
جو ہر ڈرن ہندوی جا اولت  
وتھہ لکان از طام چام نلک  
بر در حجرہ کرن روزت ندا  
رحمت حق آسنو توہ سر سبر  
عائش دپو فاطمہ س بر در بہت  
چھوم بحال خویش مشغول آنجنا  
بیہ منکس اذن تے بوزن جواب  
تمہ آازی تمامن لرزہ ڈاک  
پانہ پر زک کیا سپن و تو خبر  
بر در حجرہ چھوات روزت بیا  
چھو بوزان عذرون ن زیادہ زیان  
چھبہ خبر کس کران چھو گفتگو  
تورہ دپو ہس فاطمہ کن وارہ تھا  
یہ چھو سوی بس قاطع الشہو چھو  
یہ چھو سوی بس ہنگہ منکہ بیت رمان

نقل تم آنان بڈس خاص نشی  
تم چھہ فرماوان در روز و فائ  
وس ازہ دنیا بصد نرمی ولین  
از زہ اندر حکم تورک بوز تھی  
آہں بہر قبض روح از کردگار  
ایزہ فیرت زود با فرج و فتوح  
یعنی اک ساس و بہت اعوان خویش  
درای اکہ رختہ تم مانی بہت  
وات عزرائیل بر منزل فرشت  
السلام اے اہل بیت مہندہا  
بر سر بالین پاک شاہ دین  
اجنبیا اک کو تہن ن چھوی رہت  
زی ملا قانک غرض چھوی کر چھو  
بار سوم کر یک کرن باعتاب  
تمام حضرت فیرزان عالم لکان  
کیازہ چھو در لرزہ آہت سر سبر  
کر یک دیوان می یور رخصت لکان  
چھو کران استادہ روزت کر یک نا  
تورہ دپونک بوز تو عرض قبول ناہم  
بودے ماوت چھو کس تہ کیازہ ڈ  
یہ چھو سوی بس مال تیرن آہن کران  
یہ چھو سوی بس ہنگہ منکہ بیت رمان



یہ چھو سوئی بس چھی کران کو کٹنیم  
 یہ چھو سوئی بس دل سارن انان  
 یہ چھو سوئی بس بدن والن مکرہ  
 یہ چھو سوئی بس کران دریا سزا  
 فاطمس گیبہ پاک نیرت از جناب  
 سینہ با سینہ رشت دپوس مود  
 سارنی درجائی خود گوی خیال  
 چشمہ موثرت کرتہ میبکن کنظر  
 چشمہ موثرک تام دپوس فاطمو  
 ود نہ چانی چھی دان تم دردناک  
 صبر کرای فاطمہ بد صبر کر  
 پرزہ ری انا الیہ مرجعون  
 یارسول اللہ سرم بادت فدا  
 یم و شیر لویہ ری بوزت کنی  
 تام دپوک فاطس تم نور عین  
 پیش حضرت بیٹھت یا چشم تر  
 روی بی تہی تھاوت حسن  
 خون جگر آسواران از دو عین  
 آنجنابن بوسہ تنک بر جبین  
 آو تخت بروٹھ کن سوئی لولی  
 سبز بالین متو تولن سرد اپنی  
 روی پاکش کردہ سوئی ٹی خوی  
 یلہ اسامہ کدم از پیش خویش  
 قرض چھوم امنت تہ والم نکھ

یہ چھو سوئی میسند میت سارن چھوم  
 یہ چھو سوئی چھینہ ڈیشنہ کنبہ لیلان  
 یہ چھو سوئی بس سہن ڈالان خدہ  
 یہ چھو سوئی بس عالمس بریم کری  
 یارسول اللہ مدینہ کو خراب  
 چشمہ و چک گیبہ بس عالمس  
 گی کرت خواہی ز دنیا انتقال  
 اک کتھاہ کرم پتوار مان مہ چھوم  
 صبر کر گریہ تیوی بس فاطمو  
 پنبہ دست پاکہ چھین شو و تھان  
 صبری راضی خدی داد کر  
 فاطس موکلائی پیرہ و شیر کرت  
 کنبہ و شیر متہ کر تو برندا  
 ڈاؤت پٹ کرزہ انزہ فیجا  
 بروٹھ کن ام حشر تہ بیہ حسین  
 حال آنسو و رجعت گی بمقرار  
 آس و دان وای جد پاک من  
 دُنوئی کن آس چھان شاہ دین  
 صبر کوی تلقین کر مکہ چینین  
 کہا چھو فرمان ای رسول کایت  
 تام تھدل جید رکرارنی  
 حضیر تو فرادوس ای مرتضا  
 بہر غذا س کرم سامان حشیش  
 گودہ بس وانی مہش پٹ کورس

یہ چھو سوئی بس کران مٹہ زنا  
 بروٹھ کن بیت چھو عزیزین ہوا  
 یہ چھو سوئی بس کران خانہ خراب  
 امسندی دستہ خدا عالم فری  
 اتھ رٹن حضرتن از دست خود  
 حال ڈیشٹ سارنی کو سخت رس  
 کلمہ نمرت فاطمن دپولے پدر  
 کرہ کیا دن کوم من من مہم گم  
 منہ و دتم حاملان عرش پاک  
 رنگہ رنگہ وارہ چھس تسلی کران  
 یلہ بریم روح می از تن برون  
 آیہ بی بی عائشہ بروٹھ پڑھ برت  
 حضرتن فیرت دپوسن کیا ونے  
 صبر کر صبرس چھو راضی بد خدا  
 فاطمن ان تم دوشی نور البصر  
 حال اکے کر نہ لک تم نالہ زار  
 سرسینہ مصطفیٰ تفاوت حسین  
 با کمال شفقت و رحمت خیرین  
 تام فرما وک میں حضرت علی  
 بر تو باد از خدا لک لک صلوٰۃ  
 بہہ ناولن وارہ بر بازوی خویش  
 این صیت شنواز گوش رضا  
 ایشہ ہارہ از فلان شخص ہود  
 ژری سو آسک یا علی باد سترس



اسے تہ سختی بسیار بار  
 دزدہ ہم روزه محکم پائے صبر  
 کر زہ امر آخرت ثری اختیار  
 رت رحمن گزھن کنیزان غلام  
 تھو و لڑک نرم کر زک خوشگلام  
 حضرت آزاد کر ز تجھ غلام  
 یم وصیت موکلاوت سرور  
 اضطرابن پیوس و ارہ کوس گیر  
 میول خصت عزرائیس بر تراؤ  
 آس ہر فیض وحت از ربی  
 و اتہ یامت حضرت روح الامین  
 ترا و تھن ناموس اکبرری کتے  
 فوجہ فوجہ آی ملک بیکران  
 بیوٹ بر بالین ختم المرسلین  
 جبریلین تورہ دپوس شاد گزھ  
 جنتن پیرو کرک تازہ تر  
 یم چھ ساری از پیے تقدیم تو  
 امہ خوتہ خوشخبر و تم ز بر  
 یانہ اڑک زہ نہ آتی چسانی  
 و نتہ جز این ای اخی نامور  
 تورہ دپوس یا شفیع المذنبین  
 کینسہ کس نم کرن نہ تھا و کن  
 روز محشر لیت شفاعت تیریک  
 چشمہ روشن می گیم آزاد کوس

دانتے دل تنگ گزھ زہ زہ بہار  
 بلہ و چھک خلق گے دیناس مست  
 بر زہ پر و اتورہ کوی ثری ز بہار  
 نتہ آئی لفظہ ما کر یک بیان  
 یڈ بر زک وارہ سارن والسلام  
 چھوی یہ فرماوان علی سر تضا  
 گو تغیر سخت روی انورس  
 حضرت عباس مہت عالمین  
 پیش حضرت با تواضع زود آؤ  
 دم زہ خصت گزھ بوشغول کار  
 صبر کر تامت مہ کر جلدی دین  
 تورہ دپوس حضرت روح الامین  
 جبریلین تعزیت پر شش کران  
 حضرت جبریل سی تامت ولوی  
 خوشخبر انمی ز غم آزاد گزھ  
 حورہ پارت پان اندر انتظار  
 منتظر در حرمت و تعظیم تو  
 گفت بر سر انبیائی ذوالکرم  
 خالقن کریمت مقرر چھوی تہی  
 بہرے ز ولیم فرح سرور  
 راضی چھوی پروردگار عالمین  
 حوض کوثر بہ محمودک مقام  
 تیوت بخشے اس راضی گزھک  
 ادہ دپوس عزرائیس بر و نتھ یک

دست اندر عروۃ الوثقای صبر  
 دامور شرع دین لکہ نینہ پت  
 ادہ نمازن ہندوی تیکد تان  
 دارکن من من فی بوتھا دعبان  
 اندرین بیماری موت ای ہمام  
 روز دماہ بوز باکوش رضا  
 کر زرت می کلو سند و یک تغیر  
 ترا و ستے پاٹ ول فرش خوا  
 السلام علیک یا ایہا النبی  
 تورہ دپوس کدماہ کر انتظار  
 و نتہ عزرائیلہ آؤے توہیتے  
 وات اندر آسمان آؤ لین  
 بی و دان ہم آس و ات پیو لین  
 یمہ وقتہ ترا و تھن بکون ز لوی  
 نار دوزخ زھتہ کرک سرور  
 چھی ملک صف بستہ پران پر  
 حضر تو دپوس از یمہ خوب تر  
 تانہ اڑن جنتس بالکل حرام  
 حضر تو دپوس از یمہ خوب تر  
 و ان بلمتہ غم زلم بالکل مہ دور  
 یم عنایتھا زہ کرنے خالقن  
 یڈ شفاعت بیہ بر سر خاص  
 حضرت دپوس و ان بود اشاد کو  
 کر زہ نین کام پران کی ہلک



## روایت دیگر

<p>بیاک روایت یہ چھی دگر گوش تھاؤ ہست این امر دوز مار و زربل وین سفر چھوم محشک در پیش دل فلمتہ غم زلم ہن ہن مدور آسمان برو تھی چھک تھاوت روح ریحان زری کران روس نثار عرض کرنک دوزخن بر بند کرک تازہ شیرک بہر روح نازنین عرض کرن ای رسول نامور حضرت بوزرت حمد و پوزیادہ زیاد بس قدیم الذات دایم بالقہ بڈ بشارت دم مدہ دل تسکین سی خاصہ کم آسن ضعیف و پرکناہ معاملہ حق کیاہ من سیتی کرم اندیاؤن تہ تعنیدن اٹلتن جنشن اندراژن باحسرتی منتشن بخشی خداوند کریم دل سٹھا خوش گوک بوزرت جو دحق</p>	<p>چھی لکھان جبریل بہت بر تراو عمر مند طوار از ساروی وٹک ونتہ خوشخو انکو اندیشے عرض کر جبریلین ای سلھان دین بہر روح پاک تو موڑہ راومت حضرتن المحمد للہ پر بزور جنشن دروازہ ساری موڑک حضرت تو دپوسن ترہان چھن سیک گوڈہ کنڈک بر شفاعت تی کمر بیہ دپوسن بیاک خوشخو اوٹم سوی زہ چھوی لبسبار مشتاق لقا غم سٹھا چھوم مہ برے استی از جبرائیم اسنک نامہ سیاہ جبریلین عرض کر باہنم کرنک تتوٹام اژن جنشن ادہ اژن آتھن بہت تم نبی نی زہ مناکہ سہر دنی کنہہ برنیم سی پررھان اسنک لن متونم قرار</p>	<p>حضرت تو دپوسن سیاہ جبریل اشتغال دنیوی ہن من ترک نیرہ تیمھوار دار دنیا باسرور مہربان چھوی پانہ رب العالمین جننت رضوان چھواندر انتظار بیہ دپوسن از بشارت کر نمود جننت الماوی و فر دوس بریں خوشخو سوی و نتہ ولول باہنم سار فی بروٹھ نیرہ نے چانی مراد تورہ دپوسن یانی معلوم چھوم حیدریت حضرتن دپوسن سی یم و نے چھمنہ بدنیہ استی ونتہ جبرائیلہ می فکری ترم خالقن کر یانی جننت حسیم پانہ تو مہنہ بیہ تو مہندی استی گر مہنہ خوش یانی العربی حضرت تو دپو حمد نامحدود حق ولہ عزرائیلہ بردکن کر زہ کار</p>
----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

## روایت دیگر

<p>این روایت بوزرا صاحب سیر گوتی جبریل پیش ذوالجلال</p>	<p>چھی لکھان پر پانہ ارباب سیر یا الہ یم مشردہ ہائی بے شمار</p>	<p>یلہ از مہرت نبین کر سوال وین مہس ہرگز یون چھنہ قرار</p>
-------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------



در حق مہت چھو و راہ غم بران  
 تی نفس تھو امتوںک مشر و غم  
 یس کنہکار گناہ عمر کے کرت  
 بخشش س راوی سوی اندر پناہ  
 ذات پاکن تری پوی بعد از سلام  
 توبہ کرت مرہ سوی دوس برہنی  
 حضرت تو دپوس رہہ و راہ چھو نیوٹ  
 مکنہ دوس بروخہ کم توبہ پرت  
 گوئے کرن عرض پیش پاک ذات  
 تس کس تم کسی بروخہ توبہ پرت  
 رت چھو تہ دودہ بیه گو گناہ کرت  
 عابین مہندہ پڑھ پوس بتقرار  
 مرہ بروخہ مفتس کس تم توبہ کر  
 حضرتن دپوس تہ نیو آنم خبر  
 گوئے کرن عرض پیش بے نیاز  
 اکسی دوس مہ تس کر دے عطا  
 بیه گڑھ در پیش خلاق جہان  
 دوہنتہ زر گچھو دیان خیر البشر  
 یم اکی کر توبہ اکس ساس  
 عمر کرت ناسر کر دار ہا  
 پس اس روح وائہ اندر غرغره  
 آسہ شوہار ان ندا شر پو متوی  
 آوہ بریل این خوش حال  
 بد جزا تو تھم روم و ان کش مکش

زان سبب فرشتہ دچھوم کران  
 توره دپوس خالق بعد از سلام  
 مرہ و رہن دچھو مہ کن توبہ کرت  
 آوہ جبریل دپوس یار سول  
 رحمتوںک فرحتک عالی پیام  
 تس بخشش غم مہ برن آنجن  
 کنہک لذات کنہکار چھو میوٹ  
 امہ خوتہ مہ الوم تیر خوش خبر  
 توره دپوس گڑھ تس تانت چھو ہا  
 بیه دپوس جبریل تو ر لار  
 دہ دودہ با دہ مہ پت کن گوشت  
 گوئے کرن عرض پیش کر دکار  
 تس بخشش غم مہ برن شاہ زر  
 عرض کر پروردگار دچھو  
 توره دپوس گڑھ نیس و ن باز  
 آوون حضرت تس مرہ علیم  
 امر احسان زودانوم بانسان  
 خالق از غایت احسان تام  
 مرہ بروخہ گڑھ دپوس بخشش تس  
 یم مہ کن آواز توبہ وندم  
 توبہ پرت مکنہ زاندم بے سرہ  
 تس شفیع فردا کرت اینجو شخص  
 سر سرباؤن بان خیر البشر  
 بیه دپوس جبریل یا سول

تازہ خوشخبر از مہت باؤم  
 دن تہ جبریل تس مہ نیوی پیام  
 آسہ پیمان گوشت از گناہ  
 خوشخبر مہ مہ گڑھ خاطر ملال  
 عمر یم آسہ گناہ کرت ہی  
 بخشش تران سوی زجر و عذاب  
 نفس و شیطان چھو ستہ کشش کرت  
 بہر مہت بوچھو سے نکران اندر  
 آوہ دپوس خالق مہ عفو کر  
 عرض کر در بار گاہ کر دکار  
 بیه کیا تس جبریل و چارہ کار  
 ذات پاکن توره دپوس شکار  
 آوون حضرت تس فی سیر  
 ہفتہ گوشت دودہ گڑھ ان چھو  
 مرہ بروخہ یم توبہ کر کے از خطا  
 توره دپوس دودہ تہ زر گوچھم ہم  
 گوئے و ن حاس لے داد کر  
 توره دپوس گڑھ نیس دسلام  
 یوہ ساری اس تس بدکار ہا  
 عمر مہند بدکار کر س منعم  
 آسہ از عصیان پیمان گوشتی  
 جرم بخشش چھو ستہ کتولاب  
 حضرت تو دپوس دن دل مہ کوم  
 حق تعالی چھو دیان کیا چھو مل



امتحان یوسف شفق تہ مائی چھ  
 ہم شفیع الخلق ہے ناوتھا و تقم  
 می حوالہ کم کرک کنبہ سسم مبر  
 ہم تسکین دہم از حق بد طمع  
 نام دپوک عزرائیل یک پیش  
 ہنوک کرن تم آنجناب قبض روح  
 لگو عرق و سنی جنیس بار بار  
 اس تھا و ان گاہ چپ دست راست  
 آب متھان نہ منگان از پاکذات  
 عایشہ صدیقہ فرماوان جس  
 رشک برم ننتہ کم بی گمان  
 سکرات اسہل تہ البسہ فیض  
 سکرات موت بیشک مونس  
 حضرتن دپو جبریل ان زبان  
 تورہ دپونس یارسول اللہ کے  
 جھوس بوموان مہ کرزہ پیش این  
 سختیاہ یوسف کرہ ہم مہ اس  
 کرزہ ہنر پور بر جان مہی  
 عم مخور برات مشفق ترم  
 کر روایت عایشہ با صد صفا  
 سر مبارک می رس در کنار  
 تراواز دروازہ اندر عم غریق  
 حضرتن مسو کسی کن کر طہر  
 ترکرت دلوک لوک از دست من

و ننتہ کم تراوی بہ در دل را کڑی  
 زات پاکن تورہ دپونس ای کریم  
 زری خلیفہ پانہ کر تھن پیشہ  
 و ن بدت چھوم خلیفہ پانہ حق  
 و ن درنگی چھینہ کنبہ کر کار خوش  
 شدغیر روی پاک از رنج دور  
 دکنہ لگو سوی سولسو و روانہ وار  
 آہ پیالہ سر دتھا و یک پیش روی  
 یا الہی سہل کر کم سکرات  
 پس و چھوم سکرات زان پس سہل  
 سہل سہل گاہ الہی سکرات جان  
 بلکہ زانم سخت پس سکرات چھی  
 چھی کفارت درجہ اعلیٰ و نس  
 امتش ہم می باین شد تہ جان  
 چھوم اسم از ذات ہوا اللہ کے  
 کینسہ اکس چھوم مہ مہیت بحال  
 کر سہ می از پار تھن اس  
 گفت ای غمخوار جملہ امتیان  
 جان شان بس سہل و اسامیم  
 وقت نزع جان پاک مہ طفا  
 ایش سان اسم اچھو بی اختیار  
 اس مسواک اندر دست پاک  
 رے کیم کرین مسواک نر  
 دل کرک مسواک با جلدی تمام

حضرت نو دپو زری الہی ترا و تقم  
 چانہ خوتہ ساسہ گن لومی چھوس رحیم  
 حضرت نو دپو کم و ن خاطر جمع  
 بلکہ جگر زلومہ دس ساردق  
 آو عزرائیل با ذوق و فتوح  
 گاہ سخری فیہر گامی کوک زرد  
 کہ وین دست مبارک سوی راست  
 فی متھان روس دما دم سوی بسوا

## روایت

ادہ کر ہے ذات باری بزرگ  
 مونس تر از لے درجات چھی

## روایت

بکہ آسانی جان نازنین  
 حضرت نو بوزت دپو سادہ چھی سول  
 سکرات و تلخی جان و ادنی  
 جان من با وادایت ہر زمان

## روایت

عبدالرحمان ابن ابوبکر صدیق  
 تازہ تر تہ سہر و عہد از عراق  
 ہنومہ بایک نشن تہ از آب و من  
 سینسی سہن مہ اسم با آرام



تاوس کن نام کرک اک نظر  
 الشریق الا علی زیو کے پرت  
 شد ہمای جان ہمایون بال رود  
 جای بگرفتہ بملک جساودان  
 تنقو مشک معمرہ اندر سرنہ زراہ  
 روح پاکش کردہ زین عالم سفر  
 فاطمین کرنا لہ زاری بے شمار  
 غمہ کس دیاوسی بویسی ایرہ  
 سالہ کو ہم نفس باذوق نام  
 وحی حق سوی بابہ میاوی کس  
 فضلہ سینی کر خدا یا عنقریب  
 ناقبر سے باشند در یک مکان  
 عایشین دیوادر یغاسرنا  
 مشک غم کھون در لیل و نهار  
 دون وین منور شکہ نہری زو کرت  
 پانہ کثرت سنگ آسان در شکم  
 یم صحابہ معتکف اسی بہت  
 بعضین کت فور نہ کل کی بہت  
 گوازا بجلد عمر ابن خطاب رض  
 مود نہ ہرگز رسول محتشم  
 جہم مہیدا از حضرت ایرد تعال  
 زیوہ انھن بن بن رثن  
 مہر ہے نہ در ہے نا اترمان  
 دراوتامت تیغ بران بہت نہر

دست مبارک تو لکے الحال نہ  
 آئے دست تمام دست انورش  
 منظر عرش اشیان ماور نمود  
 عایشین دیو دراک بہت جان پاک  
 تیمورہ تمہ وقتہ سوسم حق جہوم گواہ  
 نالہ رمل الفراق و الفراق  
 سینہ سوزان ستہ جان دلفکار  
 بے کس بے سرگیس بالو تیم  
 جنت الفردوس شری رلو تم مقام  
 بیہ کس نشن زری پتہ روح الامین  
 دیدن دایدار حضرت می نصیب  
 دم شفا عیچی از آن سرور نو بد  
 گو سو حضرت اسوئیں بد بر کتھاہ  
 دارہ سنگنہ شب بفرش خواب گاہ  
 چھکنہ کھتر پے بہ پے راہ بڈ برت  
 پانسی یڈ پتچی آسان بوجھ  
 مسیحہ منہز کر یہ بوزت کی بہت  
 عقل ڈل کنبہ از جس و ادراکے  
 بے جس و ادراک از بس اضطراب  
 ضعفہ موسیٰ بچھوم انھن سر  
 تلہ از دنیا کرن نہ انتقال  
 اک اسل سی منافق سی دنان  
 فیروہ ہے تیویرہ ہے نہ از جہان  
 بر در مسجد عمر استاؤرود

اس نظر در سوئی بالا کرت  
 ہم ز قالب را و روح طہرش  
 گو یہ دنیا ترا وھی جان جہان  
 کہ کیاہ باوت بہ کوتاہ مشکاک  
 حاضرین بامت سین سارن خبر  
 فرقہ سنین کرت گوکی سینہ چاک  
 بابہ و تم کیاہ کرو کوتاہ زہرہ  
 بے پروا بترگیس درشن دم  
 جبرئیل کس خبر موتن و نہ  
 زری متس مقصود اسوک بر زمین  
 روح من فی الحال باروش سنا  
 در قیامت بوجھہ روزی نامید  
 بر غنائیم فقر کرمیت تختیار  
 بہر بہت چھوکنہ امت تاب زراہ  
 عالمایت بوجھہ خوان کرم  
 عاجزن نہ مضطرب کا سان بوجھہ  
 ضرب جگر لک متن و ارا سنت  
 دل پریشان و جگر صد چاک گے  
 نالہ دیوان بدہ کھوان بوسم  
 وقت بجا یہ بہت آتش  
 یا نہ ہر جا تم منافقنی رثن  
 آسہ ہر گاہ بنی آخر زمان  
 سر برقی و اتودر گوش عمر  
 و پیں اک سرور کو بن مود



بید زنگی تسن باین شمشیر تیز  
 اسبہ مازندے نے خیر البشیر  
 اتھ نیون در کتف اشرف تضرع  
 مہر نبوت و تھوت کو مت بدلت  
 نتہ بوزت او سوی دلول سوار  
 دیدہ گریان سببہ بریان دل کباب  
 دراواڑ مسجد ابابکر باشتاب  
 پروہ تلن زان رخ شمس الفحی  
 بار دیگر و تھ دین بوسہ بیہ  
 یار رسول اللہ تھو قسم لادنی  
 زندہ است بوی خوش اسوی بوان  
 تمہ خوتہ چھوک سٹہاہ عالیجناب  
 یابنی چھوم منع کرمت و دوس  
 بر زمین گڑھن و جوی خون  
 یا اللہ العالمین باعجز نام  
 حضرت فاروق اندر مردمان  
 بس و ہمے مود حضرت کیا کھٹہ  
 کیا زہ چھوک استادہ روز بہہ  
 باز گفت ای مرد حق نشیندہ  
 انک مہیت و انہم مہیتون  
 گوتی فاروق برو کھ کن منبر  
 خون ہاران بر بنی سوزاں رود  
 بس عبادت بو کران سوی بنی  
 تس سوچی لذت موجود و قدیم

کرہ خواہی از میان بوزیرہ ریز  
 گو صحابن نمہ وقتہ حص و بیس  
 مہر نبوت و چھن کنتہ تس  
 حضرت صدیق اکبر پاک شان  
 تراودر مسجد سٹہاہ گریان ہزار  
 اس ساری مبتلائے واردات  
 تراودر حجرہ پیش آجناب  
 و اندیا گفت بوسہ بر جبین  
 و اصفیا کر یک نیرت بیہ گے  
 مول حاجی میرزا ای خاص سدا  
 از مرت نوشہوی چانی دل توان  
 یابنی بد اسہمے ختیار  
 نتہ و دود خون کڈہ مابدس  
 منہ کریم یاد دلول پیش حق  
 و اتناوک از من سکین سلام  
 استادہ خشمکین شمشیرت  
 تس می شمشیر سبتن سر زہ  
 بیوٹھ دپوس کم پیائے تاسہ بار  
 آیت قرآن چہ غوغا چیدہ  
 نام کھتوبر منبر سلطان دین  
 یا لمواجہ تس عتیق اکبر س  
 ادہ دپوہک ای جمیع مومنان  
 گو بنی قربان بو بر روی بنی  
 ادہ پرک یہ باشان نزول

شک صحابن گوز گفتار عمر  
 تام و ترعد اسما چھ بوسہ نبت عیس  
 تاک دپوہک بجنابن کرو فات  
 گرہ گیمت اس اندم آن زمان  
 بام در مسجد چھن ساری صحاب  
 کینسہ کن اصلا کر کنتہ التفات  
 بت تس دپوس خدین و الفحی  
 داد و ماران خون جگر بر زمین  
 تس نبیس بوسہ دتنے پا دے  
 بو تہ بیہ اولادیمانی زری فدا  
 از یہ ودان و ننے بنو بنو صحاب  
 زوین بکرہ ہاڑی پت تثار  
 تی اچھو کن ہارہ ہار و ودان  
 پیوس بکس کوسن زہنمت و بق  
 دراواڑ حجر عتیق پاک شان  
 اس پھر پھر سی و نان شمشیرت  
 دپو صدیق اکبر تس یا عمر  
 سی و نان بوقی و نان کو آشکار  
 خالقن دپو پانہ تس ای ذوقن  
 حضرت صدیق اکبر و لجنین  
 خطبہ پرن شامل حمد و دود  
 صبر کرو کیاہ تو ہی آسو گمان  
 اس سیر اک عابد رب الرحیم  
 کہ و ما محمد الا رسول



بی چھو قرآن بوزاری صاحب فنون  
 زن نہ آسن بوزرمت حیران کوس  
 ابن عمر چھوی دیان و سوسا سو  
 گی کرت رحلت ازین فانی سسر  
 و تھو ز منبر زود تر در حجره تراؤ  
 صبر کرو صبر با صدق و صفا  
 سچی توہ تجہیز و تکفینک کرو  
 پردہ تراوک در میان اہل بیت  
 حجر منبرہ گنہ آوازہ کنن!  
 السلام علی اہل بیت ذوالکرام  
 کل نفس ذالقتہ الموت چھو  
 در قیامت پور بالطف و رضا  
 سوی مصیبت نہ چھو پس بڈا جبر او  
 کم یہ کرا واز بہ درو کہہ سر  
 مرتضاءن تا دم دلونک لا کلام  
 آسواندر حجرہ قوی ترا متوی  
 یا غسلوک تنو کہ کرن انتظام  
 کہا چھو حاجت طاہر و مطہر  
 کہا و چھان چھو آسوی شیطان لعین  
 شرع پاؤر بہ سند چھو خاص ٹاٹ

## روایت

حضرت اسامہ ابن زید نیر  
 آس ز خدمت ندان تن جان تن

انک میت و انھم میتون  
 لرزہ کرم ہیز بن پرچوس کوس  
 حضرت صدیقی از خطبہ کا سو  
 گیک جگر چاک ید و دراک خون  
 اہل بیتن نشہ بے تسکین آؤ  
 غسل و تکفین اہل بیتن ذمہ چھو  
 جہد دل غسک تہ تہ فینک کرو  
 پردہ اندر بیت مستوران تمام  
 خاص غامس ساری مردوزن  
 رحمت و برکت ز رب العالمین  
 سارنی گزمنوی ز دینا فوت چھو  
 جزع تراؤ داجر مصائب دیو  
 سوی زہر بد چھو کیم اک راؤ راؤ  
 ساروی دیو یا سلی زانی خدا  
 آس حضرت خضر علیہ السلام  
 تا کہ کرک غسلہ بابت بستہ بر  
 تا کہ کرکیاہ بیاک گنہ بڈہ لا کلام  
 درای نہر کے و چھان کم کر یک  
 گوشت شیطانیہ اندر مبین  
 چھو بختضری دویم کر موند  
 حضرت عباس با جیدر کرار  
 حضرت فضل و شم لقوی اسس  
 بیہ شقران آن غلام پرمیسر  
 اہل بیتن آس یتنی مرد بوز

عمر فاروقن تنی سو گندھو  
 لایبہ آسے تھیز پش کوس  
 گو قین سارن تنی خیر الوراء  
 شور تھوانا الیہ مرا خون  
 لے جمیع اہل بیت مصطفیٰ  
 تی چھو فریان سنی نیک خو  
 آسے مردان علان اہل بیت  
 پردہ نہر آس مردان لا کلام  
 کاخہ و چھو کنبہ لیک زک انیکلام  
 سارنی پٹ آسنو یا مومنین  
 صبر کرو حق دیو صبر کر جزا  
 فرغ تراؤ و مزد لوایب لبو  
 مرتضاءن پر شہ تم چھو ہا ہر  
 آس کوس کم کر بہ در حجرہ ندا  
 از برائے حضرت سوی آمتوی  
 یتھنہ بیکاس پی تن کن لظہر  
 کیا زہ کر و غسل توہ پیہر  
 کاخہ و چھو کنبہ تا کہ بیک گنہ بیک  
 غسل کرو آسنا بس وارہ پاٹ  
 وارہ چھیلون خاص محبوب خدا  
 پر شہ رضی اللہ عنہم بار بار  
 ہر دو فرزند ان صان عباس  
 لیک لو آزاد کر مت حضرتن  
 ہم قبیلہ و محرم و سدر د بوز



گفت باین ماعلی مرتضی  
 نت اندر زالوک رسول نامدار  
 بعضی دلو کثر معاد بس انحراف  
 جامنی اندر چهلون شاه جهان  
 بر کرد بند بختی ازی کاخه اندر  
 حق قرابت نه خدمت چو بهو  
 استند کثره اساتق دیو نو بد  
 گسسته انصار از آرد و ملول  
 دیم خصلت کنوی اژه ما اندر  
 یک خافه اسور دانهوش نفس  
 شاه مردان کمر بسته کرت  
 سینسی سبب بن شاه جهان  
 اس شقران و اسامه دو عزیز  
 حضرت از دو طرف لره فرمان

### روایت دیگر

شاه مردان یله نازک تنی  
 مر حبا بر جسم پاک نازنین  
 از صرت بیله چو نه اک تار مو  
 جان و تن هم خانمان و اشتنا  
 این روایت باز بشنوائے عزیز  
 آده چھاوکی آب بابرکت باکنار  
 نمة قطره رودیت کن پر بهر  
 از تبرک چین بنیکوشانی

پردہ بینی کرو یکسو بیا  
 بعضی دلو جامه کڈ و حضرت  
 یوک سوی طن گوک باهم اختلاف  
 واقعین دن چھو امنت درکت  
 اس انصاری بهت حجره نبر  
 در عقید و خدمت با سر بسر  
 زین شرافت منتہ کرتونا اسید  
 اوس ابن خولین کرنک ندا  
 حکم دلو اس ازاد خالی اک نفر  
 بچہ پٹ تھاوکی سوخت ساوکی  
 بتو چھلن سردار عالم تره برت  
 فصلنی رو جامه تھدا ز هر طرف  
 آب بر وان استہ استہ با تمیز  
 واز از غلیبی متن یاری بفور  
 بہ تہ لچھه شراک وایت در کتاب  
 روز با آرام کیم کپاہ ژری فرن  
 فشر و ان ملول چھنہ تس کنوی  
 زندہ است مل نہ کل بونہ کنے  
 برونٹھه خوتہ چھوی بدن مشک بو

### روایت

کتھه پاٹھن غسل تو یک با تمیز  
 آده نازک تن چھک کافورہ بیت  
 در میان ناف و گوشہ چشم  
 برونٹھه تس حضرت بو و نمتوی

پردہ کرک گو غسل خانه تیار  
 آده باد ستور دیو سل تس  
 با نفین کر یک کرنک ای مہمان  
 حضرت عباسی کرنک خطاب  
 کر یک کرک کنتہ حضرت سہو  
 نسبت حضرت تہ چھو ساری  
 کینسہ اجازت تو کنہ درد نول  
 عالی تہ زہ سو گند خدا  
 دخل کنہہ تو مہنہ غسل تس  
 نسر مشرق پا مخر ب کر او تھی  
 دست پاس رج ولین تعظیمان  
 جہد رن اتھه ژان اندر با شرن  
 اس عمارت و شم ہر دوشرف  
 زیرہ سینتی اس فیران اور یود  
 یئی کنن واز یکک با جناب  
 فرہ نشل ز غیبی یاری کرن  
 عرض کرنک ای رسول پاکدین  
 بوی خوش آسوی یوان ساری  
 مول باجی میان ژری بوینے فدا

گوڈہ تراوکی آب خاص با قرار  
 نور چھلک پور و ستونور بیت  
 نمة قطره تل شمر داننی  
 نقش سوی است سن حکم کھمتوی



یا علی کم قطرہ روزن ست کزی  
چہوس بولموی شہر مکی چھوکر  
غسلہ نشہ یام فارغ شد بکام  
مشکہ تہ کافور بدش متھوہن  
اک رویت زی کفن کریاس سو  
بچہ پٹ ساوت کفن متوہک لیت  
حضرت بود رویت پر متوی  
تھاؤرتس و تنہامہ توہ کرٹہ و نبر  
ادہ نیم فوجہ فوجہ ملک  
اکہ اکے تہ پرک بے امام  
اکے ملک رائے تم فوجہ برت  
بر جنازہ درون حجرہ زای  
ادہ یوان کی تھند سار صبی  
تہمتہ منور زین سعاد سار کرہن  
گوشتف گوڈہ سوی حضرت علی

### روایت

نیمہ حضرت ابوامام اندر جہات  
از خصوصیات ختم المرسلین  
گیہ توئے تیروار ہادر دفن  
بادبر روشن زحق تک تک صلوٰۃ  
و تھو صحابن منس نہایت اختلاف  
اڈوپان گو مسجد اندر زبر  
حضرت صدیقی کرو نک خطاب  
گرٹہ سوی دفن کروں در آن مکان

گوشتہ چشمن نہ ناسن منسرتوی  
چان یامت قطرہ ہائے بدنی  
نیم تن جامہ حیرک لاکلام  
چھتہ کیرک پور کر یک تر کفن  
بر دین اک انوک حیرت خاص سو  
کفنس خورشیدی متھوہک عودنیر  
کر و کتنی تلقین بی چھوکر متو  
اولا پر در دگار عسالمین  
تم کرن آدہ چارہ یک بیک  
نی کر وک تھاوک تن تنہا اندر  
اکہ اکے دولے جنازہ کرت  
اکہ اکے تہ جنازہ پرک  
تمتہ پرت کی جنازہ بر نی

### روایت

ادہ عباس و بنی ہاشم تمام  
ابن روایت مست منقول از علی  
چھوی تھقے پانٹھن امام اندر سات  
اک خصوصیت چھپی ای ایل راز  
بوز بواوت دمی ای نیک فن  
بدھواری راژ در پاس شیر  
روزی نش بوز و نہ صاحب  
اڈوپان چھکر در بقیع مدفون کرو  
بوزمت چھوکر از زبان آنجناب  
بیاک روایت دلوک تم حیدرن

چیزہ پانسن علم سیننی تازہ تر  
تمام حال کوس علم لڈہ  
بوی خوش آنو کتہ چھکک بدس  
پھمبکوی کتہ نہ دتہمت چھون  
غسل جائے پورہن آنک تولت  
تھاؤرتس راوموی بامتیر  
غسل نہ کفہ ولت حجرس اندر  
پانہ سوزم رحمت سجد قرین  
ادہ سلمان بن ساری تمام  
پانہ سیر بلٹھ نیرت سر سیر  
ادہ فوجہ یار تہ اصحاب لے  
کر جماعت نہ اماما کا کھ کرک  
سی وصیت اس کر شہر حضرت  
چھی لکھان زین ولت خاص جلی  
ادہ کے فوجہ صحابہ خاص علم  
کہ گفت اصحاب لے آن ولی  
چھی لکھان بعضہ ز علمایان زین  
باجماعت مینہ تس پت نہانہ  
روز دوشنبہ کرک نقل وفات  
کی دفن و چھدر معالج ای میر  
اڈوپان مقبر کر و حجرس اندر  
نت چھ ساری مینہ مدفون سرک  
دیہ لیں پیمریت جایہ جان  
میرہ جایہ جان دلو سان پیمر



گرفته بدجایاه سوزد کردگار  
مشوره کریمها جبر و نصاره وی  
بو عبیده اک جراح گور کن  
لحم مردن کز تهن خوش کارنی  
شرط کرونگ و تیه لیس اک پیشتر  
بیاک ز لبو طحسی سبت آو  
مرتضی عقیل با فضل و شرم  
که بچکن که آمو آسان نال نس  
از خصوصیت به شوی سرورس  
بی و صیت آس تهن از جناب  
بیمه سیر لجه تهن در محسید  
جیمی لکھان همت چو بیت حضرت  
نقل انان از ششم تم نی و نوی  
و معنی اوچیم کز هان حرکت زبر  
یا که روضه پاک نشن موکلیا  
نام لکی پر ز مننه و نوی امام  
بیه دیو یک مشرعه پشه تراو که نام  
تو به سهوه مشره تراون چم نس

## نقل سبت

فاطمه و چه و چه اما کن کنوی  
گریه کران سخت در آزار جان  
یازته اصحاب ساری جا بجا  
زن سروان آس اندر زاله واه

ساره زمین نه خوته کن واره دار  
گور کن زنی آس سارن یازنی  
مکه کن سوی قبر پوشای کهنن  
حضرت عباسی ای نوش لقب  
سوی کهنی بر عادت خود باهنر  
کهن ابو طحسین لحد بسته کمر  
آس اسامه دگر شقران بهم  
تراو شقران قطیفه قسره تل  
کر بیس تراون پری ای خوش نفس  
بلکه لکھیت سیر لاکت دل همنه  
نون چه ساری لجمه در عدد  
ال تذکیر ویه در بعضی کتب  
بیم تیه و چه وی حضرت چم نس  
کن بین نیوک مینه نزدیک مان  
بر در خاتون جنت ساری  
کروه دن خوابه سهر و سهر  
توره دیو یک تراو ساری یا امام  
توره دیو یک اسبه ته کر خوش گیاو  
عایشه بے خاتمان در رسم گئی  
دیده گریان سینه بریان لکاب  
خون ماران از دو دیده بن کنوی  
آس سمیت سیر سراز واج پاک  
آس و دان اسبیل و اسبیل  
محشر ستا سپن پهنه وی وفا

آس تو تقدیر کرد تدبیر یاره و  
اک مهابرتن ته اک انصاری  
آس بو طحسین کھنان انصاری  
دئون سوزن زه زن به طلب  
بو عبیده لبنه تم لیس نس گیاو  
بهر سر دار دو عالم نامور  
یس قطیفه خمیرک بو حضرت  
نام والک سرو رایل کسل  
بیه لکھیت و چه و چه اندر کت  
روز تهن منیر کدت انک همنه  
پته ساری از قبر ای محشر  
لکھیت و چه و چه و چه از روی  
روی پاکس کن کرم یا مری نظر  
سربا ای همتی اجتی بوزم و نان  
شرط تعزیت بجا انوک تمام  
توره دیو یک کردن خیر الوک  
اده دیو یک کس نبی رحمت نس  
کره هو گیاه از خدای حکم آو  
مبتلای حسرت و ماتم پنه  
روز شب ران ز دیده خون نلی  
بر تهن خود و بیمار شان  
آس و دان دردناک سینه چاک  
روز و شب ران سپن چون شب  
عاشقن آسوی پهنی روز ممان



## نقل است

نورین نوره سی سینتین قبول  
 پیرد و به حضرت خیر البشر  
 از دهن و نه آسنه موکلیا متی  
 بیواسد هوش گیت شیخ و شاب  
 از مصیبت و دهن تس کنه تاب  
 بهر دیناری آسوم بکار  
 گاش فیرت تم حقن یا مت دین  
 امل تذکیر و الوی اندر کتب  
 یله روح نازینیس از خردا  
 باوک از بهر جسم نازین  
 بدکر منظورای شاه جهان  
 میشود آرا مگاه نازین  
 خالقن دهنه زه پانس اختیار  
 آستی چیم مضطربن و مجربین  
 نبوت کالاه کرکر بوزاه غلاب  
 تت بور و زه متی بنیر و زخم  
 یکم غلابس آسنم در زیر خاک  
 دیوه کرکر رحم خیر الراحمین  
 دارغ تفاوت عاشقن کو تراوتقن  
 یابنی ات متشس قربان لکوی  
 از طفیل تو بنما شد کائنات  
 ات کمال عظمشس قربان لکوی

ون انس بن مالکین بوز و خبر  
 بیمه دو به کر جنابن انتقال  
 شامل رحمت سپین عزت قبول  
 گکر کرت حلت ازین در خراب  
 متغیر آس دل با کیمستی  
 زید نصاری ستمباه بو پارسا  
 آسواران یان باران خون نا  
 گو ایدار بنی از دیده غیب  
 شیر گیسرا چهره نابینا سپین  
 درم حاج کر نظر از روی حب  
 آواز اعلی اعلین خوش ندا  
 یابنی آچھوی حق مهربان نخت یار  
 مقبره کرک زه در بارع جهان  
 یزد پو این گنج گرامی ترین  
 یوسه جایا نوش گزهی ط آشکار  
 خالقن پانه دیوم چھو نیار تش  
 راجه کرک پانه از قهر و غتاب  
 بیمه آسن مشرعتل در مھوی ٹے  
 پانه آراسس بهابو بر فلاک  
 دیوه روزان در امان ذوالمنان  
 تا قیامت کرکوا س ترا لمتقن  
 چھوک شفیقاہ متشس قربان لکوی  
 شوقی رب العزیز قربان لکوی  
 چھوک زه نور حق ز نور تو تمام

تتقود و با کا نھ بونہ تار و تبر نر  
 گشت وصل با خدی ذوالجلال  
 تتقود و با کا نھ بونہ تار بکتر  
 در حدرت جای آن عالم جناب  
 دل پریشان کوک ساری صفا  
 تساجابت آسواز حق در دعا  
 عرض کرک گاش آسے پروردگار  
 گاش آسن چھوک آهین اندرون عیب

## روایت دیگر

سند از یاقوت نورانی ترین  
 خالقن دهنه زه پانس اختیار  
 یزدیک بر آسمان مفتاحین  
 میشود در خاکدان خوش زمین  
 حضرتن دیو جبریل ای امین  
 یوت کالاه آسوم منتر آستش  
 امتوک غم جبریل کو چھو منہ کم  
 تم تراوت بور ثا فردوس حای  
 بوته من سیت روزی بر زمین  
 از غلاب این جهان و آن جهان

## نعت شریف

آسھک آسھی نہ کا نھ چیز  
 ات ظہور قدر تس قربان لکوی



انبیاء ان سارن تری پیشوا  
آس و اتان خدش قربان لکوی  
بر غنا تری فقر کرم اختیار  
بر کلتس تہ صفوس قربان لکوی  
قاب تو سین شد مقام انور  
مغفرت دم منتس قربان لکوی  
پاک از حق رحمتہ للعالمین  
غم کھنست فکر تس قربان لکوی  
سروندی دین خدار روشن کرت  
سز دات تر تس قربان لکوی  
آب کوثر چا دین امت پین  
چھی پین امت تر تس قربان لکوی

مر حبات حشمتس قربان لکوی  
جن انسان زیر احسان سسر  
فقر سی نہ تر و تس قربان لکوی  
اُدن مہنی گے الون از حق ندا  
نت حضور تر تس قربان لکوی  
آئی قربان درای ارمان شاد گزہ  
ات فور تر تس قربان لکوی  
امتی تراوت متو تھنہ زاہ ذمہ  
انتقالس حلتس قربان لکوی  
جنتس تری برو تھنہ زن کینسی بنا  
نیاصہ حوض کوثر قربان لکوی  
ہاوم دیدار جھوم ارمان دس

حضرت جبریل باخیل ملک  
چھی فدات عزتس قربان لکوی  
لا مکان بنونک حقن معراجسی  
سعی باسر عتس قربان لکوی  
در کمال راز کرم باز خواست  
نت کمال فخر تس قربان لکوی  
غم مہنت کھوت در ہر روز شب  
ازھ لوی برو تھنہ ختس قربان لکوی  
جھرہ خاص ندے جان و سکر  
ابتد اکس نو تس قربان لکوی  
در حبات و در مات و در حد  
شمس الضحیٰ طلعتس قربان لکوی

علیس مسکین گدا پس مضطر س

لطفی نظراہ دس قربان لکوی

نعت شریف

لولہ چانے ہولہ مند جھیم کیمیری  
ون انت منہ تراوم کرمی سوال  
شرزم دلشیت اکوی دایدار چا نو  
ساروی خوتہ می کنہ جھیم کرمی

یا رسول اللہ سہاہ جھوم مضطر س  
وامی جانش نامی پاس پمیری  
راتہ اکے منتھاہ بڈ تقا و تم  
ور تر لم بوزت کنو گفتار چا نو  
ژی کرم کرم کرم ای ذوالکرم

والضحیٰ رو ہاوم ساتھہ خواب  
جھوم بنت امت و نن کس زانہ جا  
ساتہ اکے روی الور ہاوم  
چا نو کرم تر کنہکارن کتوی  
ور نہ اندر دو جہان حسرت برم

ان خدا لک لک رو دے شمار

بر تو ہم بر آل اصحاب کبار

نعت شریف

چانتس خم تر لم ز بار گناہ  
عمہ و ون کھیم مرم کرم کرم  
نام پاک نو لے شہ کو بین  
شاہ دیرو حرم کرم کرم

یابنی محترم کرم کرم  
شد نگوں پس کرم کرم کرم  
کشتی غرق کشتہ در ورطہ  
کام جان پرورم کرم کرم  
رحمت عالمی عالمیان

عاجز و زارم کرم کرم  
شا متیج پیم کیم غفلت  
چون بسال برم کرم کرم  
ژی امام الہدے شفیع ام  
بفایت سرم کرم کرم



ہولہ منڈلولہ چاہے سینس منہ  
از رخ اورم کرم کرم  
وقت پیری مہ دستگیری کر  
ناشود ایسم کرم کرم  
غیر لطف تو اے شہ دوسرا

آتش از رم کرم کرم  
بالو بکرو ستر و عثمان  
زار و لاغر ترم کرم کرم  
یوتھنہ شیطان پھر مہ پیماس  
نیت کس یا ورم کرم کرم  
اے شہ ذوالکرم کرم کرم

بہ عنایت مشرق فہم فرما  
بجلی حیدرم کرم کرم  
سکراتہ وزی مہ کرم یاد  
چونکہ جان پسرم کرم کرم  
علیس ورد جان و دل بید

## بیانِ واقعات بعد از وفات آنسر و راکہ از ماتم بر جانِ صاحب رسید

روز و نوبت کنبہ از واقعات  
آس اڈے حال اڈے حسرت  
از دفن یامت سپن فارغ تھی  
آس نان و ابنی مصطفیٰ  
اڈے پن کل اڈے عقل و ہوش دل  
یتہ روزن ساتھ ساتھ ہوش  
آو بکری صد نقیشتہ تمام  
صبر کرتی در مدینہ روز یک  
عرض کرن یا ابابکر صدیق  
بانگہ کر زاہنس سواجرات کرے  
شاہ کوہن کو اکیرت انتقال  
جان پن کرہ شمس پت شمار  
دراور خصت بہت سپن لہی شام  
سید کوہن ان عالیجناب  
بونہ لازم ازی مدینہ سیرہ نوی  
صبر کرتی و تھکان از شام فیر

کیا بنیو صاحبی روز وفات  
گاش کیشن رودنہ چشم اندر  
درای بے صبر سکون بیدل تھی  
اڈے پن بیمار اڈے مخدور گے  
اڈے تی روزت ہکینہ دور ثل  
فصد کرن گڑھ بود شہر شام  
دم زہ خصت گڑھ بود شہر شام  
یوسہ آسوک کام کران از قدیم  
باوہ کیا سوی راوہ بس حضرت رقی  
بانگہ بو آسوس پران از شوق تام  
بانگہ پنوک چھو منہ ون ہرگز بجا  
برو تھمن گڑھ برابر بو مرت  
دلخیز پن تن کرن مسکن مقام  
اسر کرو ہس ای بلال نیک طور  
یوتھ سفر کڈت شمس منز فیر فیر  
یام گو بیدار از خواب شریف

از دفن و نہ آسینہ فارغ گمت  
اتھ پن آکھنہ اندر نظر  
نالہ دیوان زہنتہ گوشع ہڈے  
زنکہ زنکہ علتن مجبور گے  
زان میان دراوڑ و بلال جٹ  
یتہ بے روی نبی چھو منہ رام  
نورہ دیو پن وہ میونوی بوزیک  
روز یک تن کلمہ اندر مستقیم  
غیر دیدار نبی کر بود کرے  
برو تھنہ آسوم سید لکوشین امام  
آسہ ہم پانس مہ ہر گاہ اختیار  
ہک انہ زاہ جذبی یر تھ زرت  
کیونکر کالاہ گو دین آخر خواب  
از جوار من زلت کتو اک بود  
بہر زیارت تھی جلدی تھ فیر  
دراوہ فیر صفت تھی عاجز ضعیف



وات در شہر مدینہ عمرہ دا  
 حال اہل بیت شاہ دو جہان ۲  
 بیہ از واج مطہر سر سبز  
 فاطمہ ہم کردہ زین عالم سفر  
 دونوںے در بحر غم ڈیھن پرہ  
 وائے دونور دیدہ حضرت بتوں  
 تورہ دپوس ای بلال خوش نشان  
 آسہ لون مادر مشفق ترین  
 مرجیائے فاطمہ دیوے موہک  
 لولہ چھکن لون تراوت بے سخن  
 دوستویت وں بلاس با نیاز  
 غمہ سیتی ترک تن چھوی دتموی  
 تورہ دپونک کر مہک صلا پرت  
 آے سمت اسل مدینہ تمام  
 یا پر اللہ اکبر تم بام  
 یا پرین تام وست پو پتھر  
 اَشْهَدُ اَنْ لَا اِلَهَ اِلَّا اللّٰہُ  
 پورچین نہ دیت بہوش پیو  
 بانگ چانی اے بلال خوش نفس  
 خاص و عام صبحتہ نشان امام  
 کتھ دیت بانگ ای ذوقون  
 اشک ریزان پو بلا لہن بانگ پور  
 شور گریہ و تھو مدیس از دوات  
 در فراق حضرت خیر الانام ۲

خون دل ماران تنوی ماتمزد  
 پرت اکھاہ بنو بنو دان چھس عنین  
 بانوشی ساری بلا و غم مہر  
 عاقبت شہزادہ کوئین نس  
 پھلون گل زن دوشی گیمت برہ  
 حال بے بے فاطمہ و نتوصفا  
 حضرت خاتون جنت پاک شان  
 گے کرت زین دار فانی انتقال  
 بیک باس ننس واصل گیک  
 یا رسول اللہ ترا با دا مدام  
 بانگ دیکنا وں سپن پیشین نماز  
 پرتہ بارگاہ کرتہ سنت زندہ از  
 بانگہ جائے کر کہہ بو تھہرت  
 بانگ پی از بلال خوشنوا  
 و د نہ لگ اندر مدینہ خالص و عام  
 یا ہتین نام حضرت پرہ نوی  
 چھا محمد ہیور رسول اللہ کاخہ  
 سار از واج مطہر سر سبز  
 کتھ ژالو جکر گیمت چھڑس  
 تم سپن در فون اسہ کرا و تاب  
 بانگ چانے لولہ زخم ترا و لون  
 نام پاک سرور ہر دو جہان  
 زین ہمتی سائہ نبین کر وفات  
 بانگ بہت موکہ لا وں کر بہ سان

میسمہ کھان چھس تن بنو بنو پر زبان  
 شاہ مردان شہ حسن تہ شہ حسین ۲  
 کینسہ اک و نس نہ ہرگز ترہ خبر  
 یا مسمکھ حضرت حسین نس  
 گفت ای لخت جگر ذات سول  
 کتھ پاکھن تم چھ بعد مصطفیٰ  
 یاد کار سید دنیا و دین ۲  
 رفت در دار البقای لایزال  
 سی مدآسوی کڈوی حضرت حق  
 صد در و داز ذات باری صبح شام  
 سنت حسد مٹی چھوی ہتھمتوی  
 تھونہ ہنرت ہول ل دیوہ ژلہ از  
 دوستو ابرام کر وں کھتوبام  
 ہول ژلہ لوزت بنے دا وں دوا  
 نام پاک مصطفیٰ بانگی اندر  
 نام اشارہ کرن قبرے کنوی  
 از فراق مصطفیٰ پر جوش گو  
 آے نیرت بکلم حجہ ہنر  
 بانگ ژری سوکتہ اس خیر الانام  
 بانگہ چانے پا و ژس بخناب  
 بیاک وایت چھہ لوزای با سرور  
 خون ماران الو بلا لہن ہرزبان  
 خون جگر مارنے لگ خاص و عام  
 نام کرن سار فی کن سی بیان



خوشخبر بوز وید یار و سرسبز  
پننه نارس زامنه ای صبا و قار  
تت کروں مخزون دین آخر سکون  
برزبارت در مدینه بوالیون  
بیه شامش گرهان ناله دیون  
جان دتن تت در ره صد و صفا

منقول

بنه ملک سارین در عزیمت  
کینه کل آسک یون بهر سلام

دوده بس اک داده بر خیر البشر  
مختصر پات گزه راون کیوثر کال  
تا که شد از عالم فانی برون  
بعد زیارت گرهان بوا سو خوش  
دیده گریان سینه بریان سته جان  
زل تیمه پاتهن تتی واره صحاب  
آدمیو متوسود و که گرهونا منوی  
سهل چاکت سید الثقلین بنی  
چار و این هنر ته تتی کیا چه کت  
آسماس ته زمینس بونه سو که

اچنه سننه از جهنم رستگار  
بیه گوم در شام رای این بلال  
لیک در هر سال یکبار باجوان  
آسو پان بانک آواز خوش  
عاقبت در عشق شاه انبیاء  
دیده گریان سینه بریان لکباب  
چار وایو تراوی کهنوته چنوی  
منظم و هم منفی کونین بنی  
جن و انسان و ملک ساری غلام  
هرت شلیس منیس ته جلیس سود و که

کنه ودان در حال آسی کنه بقال | مستللا عالم گموت ز این ملال

## قصه شتر ماده که در ماتم سرور عالم فوت شد

اؤنیاه خوشترنگ خوشقد خوشخال  
آس کر متر حضرت پانه قبول  
آس س کن حضرت خیر الانام  
کر سلام اؤنیه بالفظ فصیح  
السلام اے فاتح جنت توئی  
السلام اے خاص رب العالمین  
اؤنشی هند بوز تھی قال و قیل  
چھوکن بلا شکری صفی اللہ کے  
اک اکس تم آس پان زینبار  
چھو یہ اؤنشی و اتہ نس چھو تان

تیز رفت آس در حد کمال  
آس گنڈت تھا و متر حجر اندر  
منکہ منکہ ای اؤنشی در کلام  
السلام علیک ای خیر البشر  
السلام اے شافع میت توئی  
السلام اے شاہ با حرمت توئی  
از عنایت نس کرک پیرسان حال  
پیش اعرابی بوا سوس یوت کال  
یچنہ میس اؤنشی و اتہ ازار  
خوش گرهان آس اسم پچلان

آن اک عمر ابن بہر رسول  
نصف راتن درای آس و سیر  
از زبان چرب شیرین و ملیح  
السلام اے زینت روز جزا  
السلام اے سرور دنیا و دین  
مومن ارا قاید جنت توئی  
عرض کرن یا فحی اللہ کے  
آس یون بہہ تہ ہایت تیوت کال  
بہر سوری شاہ دو جہان  
لیک سس از غم دو گلان

حال آسم یابی سی تیوت کال | خوش گره چیس دن مہ چھنہ کانبہ لال



حمد ذاتس که بدیدار شریف  
گرم چال در دو عالم افتخار  
زیاده نسل الفت به محبت کرک  
جانتگاه بد چوم و نه کریم قبول  
نقل هرگاه تو که و از این جهان  
مضطرب بهینه کاخند سوار و کرک  
آجنابان کرو صیت در وفات  
کاخند لید به بعد من پالا و زین  
پایه و تخت نه کاسه کجا و زین  
او شنی کرکیتو به بنو ساروی ترم  
راته که درایه زهر اس کنوی  
بینه که حضرت رسول عربی  
گرفته و ن از دار دنیا پی چو جان  
جان و ندرتی بو و پانه نس  
دست پاکه سبت چیس فش فش و ن  
نس کرن کر پاس سفید ک کفن  
تریمه دو بهر یاتم دو بهر شرک بر  
استخوان مندم نمونه نه کنه

شد مشرف کین مسکین ضعیف  
از ره لطف و کرم نت روز تھی  
ناو شنی او شنی غضبا کرک  
در ساری بد و ده از بوی چیس بکا  
روزه پت کین بوی ضعیف نالوان  
حضرت اقرار کر نس تی قبول  
فاطمه چیس سینه او شنی خوش صفا  
یو تهنه کاخند می تپه نس سینی سوار  
وقت و نته آب تازه چیا و زین  
آسه و دان حاله که سزگون  
آیه کهنه نه تن بار و دنی  
تنه گو آرام چومنه کفن نه چن  
در حضور پادشاه دو جهان  
فاطمه کیه تر به بوزت دلفکار  
در کنار فاطمه نس و را و جان  
در قبر ساوک کرک بد فون بنجاک  
کاخند نشانا که و چوک قبر اندر  
می سپین خلقن ز فوت آجناب

مر حیا بر من که میباشی سوار  
گبسه خوشدل کتخم بوز تھی  
بیه وین عرض چوم می یار سوار  
جنتس منزه که ترم اسم سوار  
یو تهنه کاخند پته سوار و کرک  
حمد وین تر کین فرحت حصول  
چوم می اس عده مه کرم تپش  
دیه خوش رفتار چیس لاکس بکار  
مختصر آنحضرت کر نقس نام  
اشه کنه آسه ماران جوی خون  
السلاطین علیک یا بنت بنی  
سار فی خوشین نشس گومت چو جان  
و نته کنه شجه مالدن چیس حضرت  
او شنه مندم کله رن در کنار  
رات گیه آداته صبحن فاطمین  
عاشق سرکار عالی در دنیاک  
ن ز جلد و پوست نشانه کنه  
بجا بجا که خسته حال دل کباب

## نعت شریف سرور کائنات در ارمان دیدار فیض تار

مه چوم در دل سٹھاہ ارمان ہمینا  
مه پر اران لبه لوزم و چھ و چھانی  
وندس پا دن بو سر لادن نهونسا  
نظر اک بید کرم کھارم ز دریا

سوکا ن لطف جان جان ہمینا  
سو عالیشان شه دوران ہمینا  
بونادان چھوس سو ذوالاحسان ہمینا  
مین نار نار کشت تیبان ہمینا



بخت آمدت نیست کس زانه یکم داد  
 نیکو پند حقن کرمیت چھو پید  
 سو محشوق خدا پس حق چھو عاشق  
 رضائے حق چھو کاران ساز عالم  
 حقن معراجی بنو لامکا نشنس  
 یہودین جہودین سب پین چوٹ  
 کفر نابود گوار سلام روشن  
 کرس بوم صفت کرس خدین  
 لگتنا و الفحی رویش پاری  
 لعمریک تاج و توش پانہ ذاتن  
 زو صفش سورہ طہا و یاسین  
 و چیت رتبہ مسند موسی کلین  
 گزشت بومشتی اسن توندوی  
 سلیمان و سکندر بادل زار  
 چھو توند گزشت تاج عرش  
 خلافت تہ مالک سار محتاج  
 ستارہ زن تسد اصحاب ساری  
 ابو بکر و عمر عثمان و حبشہ  
 تسدن آل و اصحاب بن تسمی  
 بوگردا بس نہننا خوا بسی بہنر  
 یزید نہننا حق گزیم تو فسق می یار  
 لوس تم و تہ بو اشودانہ سیتی  
 مدیس سرکس زو جان و ندس  
 چھو بے شک حجتہ للعالمین سو

طبیب حاذق جانان ہمین  
 سما و ارض و این و آن ہمین  
 نیتی کن در او بن سبحان ہمین  
 خدا توند رضا نندان ہمین  
 جہان نس تی کھن اسن ہمین  
 و چھو ک یامرت تسد بران ہمین  
 چھو توشن حب ایمان ہمین  
 برت و صفو چھو تس سران ہمین  
 و ندس و لیل سوس جان ہمین  
 خلعت لولا کن کوی شولان ہمین  
 ترہ پرتن بانزدل شان ہمین  
 نمناکر یہوی از جان ہمین  
 بیس تھو قرب تھو شان ہمین  
 زدریائے کران ران ہمین  
 چھو عرش و عرش تس خوان ہمین  
 چھو جبریل ایدین ریان ہمین  
 سوشہ چون تھو خوش نشان ہمین  
 چھو دینک شور بڈار کان ہمین  
 فدا سر میون جان قربان ہمین  
 مدہ دل جوشان سوشہ توشا ہمین  
 تھی و تہ پکہ اشو باران ہمین  
 دوس پرت جایہ از مشرکان ہمین  
 شہ صرخین مہ تابان ہمین  
 شفیع المذنبین شویا ہمین



دروودہ صد ہزاران روز تائیں  
بہ اصحاب کبار و آل پاکش  
علی بے سرسختی بے پرچھو گوشت

بروج پاک آن سلطان ہمیں  
تجرت نامی بے پایان ہمیں  
کمران فریاد تہ ارمان ہمیں

ابن عباس روایت کرتے ہیں  
عادت تھانہ اس وی عمر تمام  
رات کے موثر بن تورات بام  
نعت پاک حضرت خیر البشر  
دویمہ رات ڈیوٹھن تھے پاکھن بجا  
نارہ سی اندر تہی زالن ویت  
بہتہ جائے نعت ختم الانبیاء  
یوت بچہ بچہ ات بکھا پانہ خدائے  
بنہ کبہ ات میانہ دوسے رات  
اس باسوی خاص محبوب خدا  
خالقن کرنس ہدایت راست گو  
پانہ دل از نور برنس مالکین  
دراویامت سنبرون المکار  
مے دیورخت مدیس بوکڑھو  
تو کرمت تنسنز یارت بوکرہ  
یس حمل در مدینہ در امتوی  
بڈاپریار چھو پیغمبر چھو نہ  
تیمفہ کرھک تو کرھن چھینہ جان  
تو کرمت دایدار تھند بوکرہ  
امہ خوتہ زہرٹ دیو بوکرہ

در معارج و چہرہ از چشم یقین  
بٹہ واری دودہ پران تورات اسو  
کر نہ گردانہ کموک باذوق تام  
کفرہ سیتی آو بر نہ از شرار  
اندرین تورت نعت مصطفیٰ  
ترکیمہ زری بیہ ستن پرہ نوی  
تت اندر ڈیوٹھن سن حیران سٹھا  
چہوس بوزانن عمرہ ہر گاہ و ہنی  
چھونہ ات کیا میانہ فسر کرھنہ  
حق تعالیٰ بہت مبدل کرہ نہ  
دیدن روی بنی مشرق کو  
گوس غالب عشق حضرت اس چار  
بامی بندیم اس تس غمخواریار  
یس حمل تہ در امت پاک شان  
بوزرمت چھوم کرہ ون دیدوسرہ  
دعوی پیغمبر لوکن کران  
ونہ ڈالان چھوک تھفہ والان  
تم دیوک نو مومہ سوکنہ خدا  
ادہ قیرت بویمہ یا نت مسرہ  
شوقہ برت دراد سوی راحلہ

اک یو دابو لبسان در ہر شام  
تالچ توریت دودہ تہ رات اسو  
ژور جائے پانہ ڈیوٹھن نت اندر  
اتھ سیتی قی ژن زالن بہ نار  
جہک سیتی ولولی تراون ریت  
عادتوک گردان متھن کرہ نوی  
حیرنس پیوژر کران آخر بیراے  
تراوہ پتوبنہ مات سوی ہی  
چھم مہ در دن بیک وٹان بھک  
خدشہ کنہہ بیت میانہ رتہ کرھنہ  
کفر از دل دور کرنس حلقن  
جان و دل سوی مدینہ کوتیار  
سار نی دیونک فیتو دوستو  
پز سو پیغمبر چھو آخر زمان  
سار وی دیوہس مسہ بن تری متو  
چھوک پان بوچھس شہ پیغمبران  
شہر شاموک چھوک بڈتوران خوان  
کنہہ مہ ونوم چھوم در دل سوی ہدا  
رھوپہ کرت نوہ ہو بوکرہ  
رات دودہ ہیوی کڈان گو منزلہ

خالقن سلاچی دت ہاونس  
کافری و راہی مشراونس



عشق پیغمبرش با صد یقین  
 اس دیان یار با کرواتہ تنو  
 دلشہ کردیدار حضرت دل پھلم  
 اک محمد ورد جان دکام جان  
 در مدینہ و انتھن لشداد کوس  
 جان و دل رب چھواندز جستجوی  
 عرض کرن چھو کھڑی احمد رسول  
 اک غلام اس بنی سندھی بوچھوس  
 حضرت سلمانسی اشودارہ درو  
 بدلووس گوبنی رحلت کرت  
 بدلووس زندہ چھو کو بالکل خلاف  
 کیا و نمیت عاشق شورید حال  
 آوسلماس یہودی سیت سیت  
 در فراق مصطفیٰ زار و غمین  
 یا نبی اللہ علیک السلام  
 شور گریہ تل تما مو بہر ملا  
 ہا کیو دیو نے چھوات خیر الواری  
 کس پت یا مصطفیٰ افسوس  
 دنتہ کتوک چھوک یہ اندازہ کرت  
 کتھ تراوت لولہ زمین تازہ لون  
 از ترہ دوہہ گئی ای مجنون  
 حالہ اکی کر فے لکو نالہ زار  
 وائے افسوس کتھ بوس ماجہ زار  
 کونہ مووس کتھ رودس اجنبی

زاو درد دل در او سارو کفر و کین  
 کرندیس واتہ درد بار خالص  
 بوز کر گفتار حضرت شہر زلم  
 مست و مجنون بر رسول کائنات  
 یو و لوی سلمان فارس بروٹھ پیو  
 رای گیسو سہ پیغمبر یہودی  
 شوقہ چانے چھومہ واراہ دملول  
 رامین پونس مہ سوی باوت دتم  
 فکر کرن رامین شونک چھوتاو  
 پوت چھوس کتھ متوسفر بہر رسول  
 تنہلا دم عاشق صادق تہ صفا  
 تا ا دیوس پک شہائے والاہمت  
 بردر سجد دوشی زن یام واق  
 ژالے اندر کر یہودین سلام  
 یا صفی اللہ علیک السلام  
 کینہہ کس رودنہ کنہہ اختیار  
 کنہہ تہ بوزت ناژہ تہنداجرا  
 دتھ از انجملہ علیے نامدار  
 کتھ مصیبت اسی تازہ کرت  
 یہ ملکوک چھو کنہہ چھوک ظاہر و پر  
 گے ز دنیا سوی عقبے دور ہت  
 وائے افسوس تھو سفر راوم کرت  
 زنہ پتہ کونہ بولکٹوی مباس  
 وائے افسوس ترن وین منہراو با

بہر دایدار بنی گو تریشہ ملتو  
 کروچھین دید و سوڈ سرکار خالص  
 کھنوتہ چنوند رستھس رام جان  
 کنہہ زلس لیس و دمتنہ دوتہ را  
 اوس سلمان نیکوئی تازہ روے  
 سرور کونین خوش منظر یہوے  
 حضرت سلماننی فیرت دلووس  
 تیتہ بہت استہ توتہ سیتنی سیم  
 یہ چھو امنت شہر شامہ شہر بہر  
 گتھ فیرت نا اہمید و دل ملول  
 روزہ مایت بوز آخر قبل قال  
 حال تھندین بارہ فی لٹش پونیت  
 یار در مسجد چھو ساری دینورین  
 رائے گیسو سہ بیت خیر الانام  
 یام یار و بوز نام مصطفیٰ  
 پے پتھروس و سس باہ و نالہ زار  
 دتہ پکان کتھ وچیت سانوشاہ  
 رامین لکو و نہ نے گریان ہزار  
 کتھ پاوت یاد شاہ ذوقنون  
 از وفات مصطفیٰ چھو نہ خبر  
 مرد عاشق گو یہ بوزت ہتھوار  
 امہ خوتہ گتھ ماتوے سیرت  
 وائے افسوس راو دیدار بنی  
 کیا کرم حاصل باین عمر سوزار



زیت بخت کتھی توریست پر  
 بیخبر آسوس کتھی تھو کریشہ  
 تا دین کا نعتیہ چو نایت نیت  
 روز با بوزہ ہاز گوش جان  
 دپوہودن اولاً و نتم ناؤ  
 تھا ورتس ناؤ دپان چیم علی  
 تام دپوس مر رضا ان تھا وکن  
 آس با برکت سٹہا پر جو دوست  
 کا طیب لکعت مہری اندر  
 اسہ وینہ وقتہ مہرانی آسولور  
 آس مہلیت لشت آسان باشکم  
 ابرہ ژرٹا سا بیان آسان سر  
 بیک و نتم زوداے شیر خدا  
 لولہ نارس دودہ مہم شہلتھاہ  
 منگ ژہ بی بی فاطمہ لولہ کثرت  
 شہر زلس یامت کری تت کن لظہر  
 حضرت خاتون جنت از فراق  
 خون جگر آس ہارن از دو عین  
 اندرہ بی بی فاطمہ کرسس ندا  
 چھوس بو سلمان خام این ندان  
 فاطمہ دپوس سوکس گویت حریف  
 حضرت سلمانی کرنک سوال  
 عاشقاہ بڈ صادق پور  
 السلام علیک یا خیر الانام

تت سیتی کتھی دودہ رات پر  
 ڈیشہ لوی شوقہ دل بیل کریم  
 ونہ ہم تعریف حضرت آس کت  
 تام و تھ حضرت امیر المومنین  
 ناوین ناؤ تصدیق آؤ  
 عرض کرن وچھمہ تورتس اندر  
 بوز و صف مصطفیٰ بن من زمن  
 مہر نبوت آس نن شان اندر  
 بتو کر تھک تو سیت سیتی چپوی ظفر  
 بیتھ ستارہ پر زان اڈراتی  
 سیرتہ بیہ پور از خوان کرم  
 دپوہودن پزونت یا مر رضا  
 جامہ حضرت تو ہی نش کا نھ چھو  
 دپو امیرن تام سلمان کنوی  
 دس انت منگان چھو بڈ عاشق پریت  
 درا و سلمان وات بردر وازہ یام  
 آس دان لکباب سینہ چاک  
 حلقہ دروازک تتی سلمانی  
 کم برس نہر یتیم کرسدا  
 سوز نس مر رضا ان این زان  
 بابہ صاحب لاکہ نس جامہ شریف  
 عاشقا اک وکن ز شہر شام واتو  
 صدقہ نینی امتوی از راہ دور  
 نا پاک مصطفیٰ بوزت صبح

یارت نے نعت حضرت ڈیشہ  
 کو نہ ڈیویم روی حضرت کہا بنوم  
 صورت و سیرت تہنہ کر ہم بیان  
 بوز و صف ختم المرسلین  
 تام دپوس مر رضا ان ولوی  
 ناوچپو لوی صف تہندی جلد کر  
 قدر مبارک تھ نہ تھو آس لبت  
 مشک لوان خوش لوان تانن اندر  
 دند آسک اک کس نش دودر دور  
 بیتھ پر زان دند سس ساتی  
 ژہاے پان آسنہ ہرگز تھ  
 چھو مہ تورتس وچھمت مڈا  
 بوسہ مہس مشک مہس چھم تہا  
 جوبہ حضرت کرسس انت دلوہی  
 عاشق صادق چھو امت زودر  
 اندرہ بوزن کرملوی بڈ وک دام  
 حضرت شاہ حسن شاہ حسین  
 لای بردر وازہ بنکو شاننی  
 عرض کر سلمانی اے پاک شان  
 بہر تہ پاک شاہ دو جہان  
 تیوت جرات کش چھو تہ کمند جال  
 بہر دیدار نبی گوارہ کوت  
 ژاودر سجد کرن یامت سلام  
 ودنہ لک اصحاب در کرہ چوا



در تحیر گو سو عاشق کبیا سبب  
 شاه دین کر ز دنیا انتقال  
 زری غرض آسوی دیدار بنی  
 شوق تهنیدی آس و زو شب بیکان  
 نو کراک لا کفن کم از غلام  
 روی انور و چہ و چہ تالسمہ  
 بوسہ دت منحن اچھن دن لا کلام  
 دس انت جبہ شریف آنجناب  
 نامن دتوس کدت بورت یہ بھید  
 گوڈہ اصحاب سور و دور دست خویش  
 رنگہ رنگہ پارہ لاگت کبیاہ روی  
 نالہ دیوان تم جواب دل ز ٹہن  
 حالہ اکے آسو کران نالہ زار  
 جان دن مروت زندس دل نو  
 مسجد منزا و نیرت غمزدہ  
 خون ہاران بڈہ شہادت پرن  
 دہ موم حضرت احمد رسول  
 دن خدا یا جھوم مہ دت ل سی ندا  
 سی منن تہ پیو پھر اندر زمان  
 جبریس کی سارا جباب بنی  
 غسل دتوس عاشق کوس کفن  
 موداڈ اڈر و دمڑے دتخرین  
 این روایت باز بشنوی امیں  
 ملکود ہے تہ ترن شیشن اندر

کوہ بابت تل میو شور و شخب  
 یام بوزن تام تراون بڈہ پاک  
 گو بنی رودک تقوی بیہ جنبی  
 رائے آسم کرہ دیدار بنی  
 خدمت حضرت کرہ بیت صبح و شام  
 تام دین منتہا بڈہ تعا و توم  
 دد متس پاش دزراہ ایہم آرام  
 عاشق صادق چھو دت شوق  
 نشن سلما نو کرہ من مہنا امید  
 بوسہ دتھ بنو بنو تھوک چشم لبوز  
 ستہ جایہ خضر دلو سو متوسے  
 بوسہ دوان مشک بہت برتلت  
 خرقہ پاکس کرے بوجان نثار  
 جان دندے جان نام پاکسی  
 بر سر تربت ودان دادی لدا  
 یار با اقرار کرے کنسر  
 دین بڈہ سلام دین کر می قبول  
 بد کرت اسلام میونوی تہ قبول  
 جان دتن با حق بصد من امان  
 ساروی پو گو پھوی سوز درونا  
 در بقیح کھنہس قہر کر اوک دمن

عاقبت و نوس امیرن سار و حل  
 پانہ میہا بنو کوہ بابت یوراک  
 کھن تہ چن تراوت پن اہل و مکان  
 گر نورانی زانوار بنی  
 شام تراوت در مدینہ لہ  
 جامہ تھندید چھو کا نھ سوی و توم  
 تہم دیوم مرتضاء ان کرہ شتاب  
 دودہ پہلی تمہ بویہ ذوقہ بیت  
 آوسلمان ترقہ بہت مت بہش  
 آس ساری ایرہ کیمت تیرہ روز  
 ادہ دتوک عاشق مت رٹن  
 سینسی ستین رٹن چمن ملت  
 مشک چانوی خرقہ کبیاہ خوشیون  
 سر بوندے تربتکس نیاسی  
 روی دلول آسمانس کن کرن  
 لت دتیم کفرس تچس انرس  
 اتھ تلن خون ہاران با سدا  
 جان ہم دلول مہ بر سر رسول  
 آس و چھان سارا جباب بنی  
 شور و تھانا الیہ ہرجون  
 سی سپن حلقن بقوت شاہ دین

### روایت

چھی لکھان چھ پانہ ڈر الناصحین  
 شیشہ اک نیو پر کرت جبرٹنی  
 آب غسل حضرت خیر البشر  
 بیاک میکا مینی نیونہ بوندے



بیاض اسرافیل بہت گویا کرت  
مونس کنبہ قطرہ وقت نزع جان  
دور جھکان چھو میکاٹل آب  
سہل لول جھوک جواہر تو دون  
وقت بیدار خدا روح الامین  
وارہ پاٹھن بے نشان بے نمون  
پرہ پیوسے وارہ گو سے سینوا

ساروی تو تراوسل اندر بلا  
خوار گو سے زار پیوسے دلیخین  
سب غفل امتی بے قیل و قال  
چاہہ امت منزمہ ہیو کاخہ روپا  
بیکس نا داری لاچار سے  
اک نظر چھو چان پس مہ آن زمان  
بیکس ناخوری جیرانی تلم  
صدور و وصیت صد اسلام  
اے حبیب خدا کرم کرتم  
ز آسمان وزین و مافیہا  
صدور و از خدا کرم کرتم  
نشر غم و بس مہ چھو کوران  
مال و آلم فدا کرم کرتم  
چھوس پھر پیو تن ز جور زمان  
بوز تم اک ندا کرم کرتم  
چھوکی شفیع سارنی کنہکارن  
منتہ کرتم جہا کرم کرتم

بیاض عزرا یلنی بنو نے برت  
سکرتس چھس گزبان زانو کمی  
بردان مومنان بہر جواب  
چھک اسرافیل اندر روز شر  
چھک چھن مومنین ای تیز بین  
یار رسول اللہ چھو سے پیو منت پھر

چھنہ کاخہ غمخوار یاد رزی سوا  
پرہ ترمو بکو تن در غم  
برانت چانی چھم مہ ای سلطان دین  
امتین عاصین مہند غم متوت  
چھوس گو مت غرق در بحر گناہ  
تہجو شیطان نقد ایمان مت تلم  
نقد ایمان بیت بہت کھڑہ بیکمان  
چھوس گموت در بحر غم وارہ غرق  
بر تو ہم برآں اصحاب کرام  
وے نام الہدایے کرم کرتم  
خالقس زری ندا کرم کرتم  
چار یار توحیدار غمزدین  
چھنہ کاخہ غمزد کرم کرتم  
چھوکی کنہکاری شفیق و رقی  
تہ تلم از عطا کرم کرتم  
مکر تہ آزاد از غم دوران  
روز خوف و حبا کرم کرتم  
علییس تہ تہ چانی ست

چھوی سو عزرا یل جھکان بردن  
جان چھو نیران بانشاط و خرمی  
یام چھس نکیر تہ منکر یوان  
مومن پٹ امنہ باپت از خطر  
یوتھ و چین دیدار یچون و چگون  
بیکس بے یار و یاد رے مہنر  
و آلوے از خوشی و بیکانہ جفا  
تھوڑہ لاکم و ن مہ از فضل و کرم  
رنہ پٹھے غم متوت تا انتقال  
خاصہ بے بیکس مہند غم متوت  
وقت نزع جان یزیم بیمار سی  
والتحصن از راہ دین جانس کھرم  
اک نظر کرتم پریشانی تلم  
انت نعم المشفق و نعم الشفیق  
نعت شریف

باد بر روح پاک تو بدوام  
مقتدا مہتدا کرم کرتم  
نام پاکس کرے بوجان قربان  
بعطا و سخا کرم کرتم  
چاہہ دیدار کوی مہ چھو ارمان  
چھوس بود را تہ کرم کرتم  
لولہ نازن اندر مہ کرم سور  
سید حبیب کرم کرتم



غانو گزینے کن کیا ہ موت کو  
رود کس تہ روزہ کس اندر جہان  
زکریا و خلیل اللہ کجا  
درد و عالم مقصد و مطلوب حق  
رود نہ تم در جہان بے وفا  
چستی در ورطہ قبح و عیوب  
کتبہ چھوی فرعون نمرد و شداد  
ترا و نخوت و دتہ روز و شب بزار  
کتوسنا کے انبیای ذوالکرام  
کتوسنا محبوب رب العالمین  
کتوسنا یعقوب و یوسف بنی ۴  
کتوسنا ادریس و یحیی جان جان  
کتوسنا کے مرثیہ غفران پران  
جان عالم معدن ایسان یم  
کرت کرت رحلت ازین فانی سرا  
دینی یم دین پرور با شمس  
حضرت فاروق اعظم بے ریا  
کتوسنا کو محرم اسرار رب  
کتوسنا کے آل و اصحاب بنی ۴  
کتوسنا شہدای جنگ احد کے  
ترا و تھن اہل و عیال پروا کھنہ غم  
از ظلم ہای بے دین لعین  
ترا و تھن تھاد و در دل یا و حق  
پانسی و ن پانسی و ن پانسی

کس سو چھوی نہ زدنیافت کو  
آدم و حوا کجا و شیت و لوح  
موسی عمران و روح اللہ کجا  
مطلب و مقصد حق یم از کائنات  
روزہ کس و ن بوز می نش با صفا  
کیا ہرہ چھوی ای پیر و ابیس خوار  
نخوتن چھوک کا لومت ای نامراد  
کرتہ کا با سرتہ مولا برتہ غم  
کتوسنا کے اولیای ذوالنظام  
کتوسنا کے یوسف فرخندہ سر  
ہم ذبیح اللہ و داؤد بنی ۴  
کتوسنا کے عالمک سردار یم  
امتو کی غم بہت کھٹن موکھ زین جہان  
حضرت خیر البشر خیر انام ۴  
واصل حق صدر رحمت و مکہ جامی  
حضرت صدیق اکبر یار غار  
کتوسنا کو زین جہان بیوفا  
جیدر گزار شیر کرد کار ۴  
کتوسنا اتباع و احباب بنی ۴  
کتوسنا کے جان بیور راہ دین  
تلو کہ بہر دین تمو کم کم ستم  
تلو تمو کم کم ستم اندر جہان  
ادہ و بیشک فضل و غفران دا حق  
کرتہ ندا پر تہ حکیم بے جگون

موت آنی بروٹھای جان بہان  
زایس و ن آوٹش نش در افرح  
رود نہ تم اس یم محبوب حق  
اس حضرت سرور عالم بذات  
کیستی تو عترتہ بحر ذنوب  
ید و زن صاحب دل چھوک نورور  
سدنہ در غم پان پانسی لدنہ بار  
مودہ کر کا نھ رود کر کبھی سودم  
کتوسنا کے خالص رب العالمین  
صاحب جاہ و جمال نامور  
کتوسنا مارون و یونس کے نہان  
کتوسنا کے امتک غمخوار یم  
کتوسنا کے سادہ جسمک جان یم  
سید عالمی نسب ذوالاحشام  
کتوسنا کے چار یارش زور تھم  
کتوسنا کو عارف عالی تبار  
حضرت عثمان ذی النورین لقب  
کتوسنا کو زین جہان بے مدار  
کتوسنا شہدای جنگ بدر کے  
بر رضای حق دلوک بے آن و این  
یاد کر حسین سین شہدای دین  
شد خرامان سوی عقبے ایمان  
علیو کیا چھوک و نان بیگامسی  
لم تقولون ملا لا تفعلون



مہ کیاہ بو تو بنوی افسوس افسوس  
 کران چھوس کار ہائے نامناسب  
 جھکت جورت دوس افسوس تپت پان  
 دوں نہ راہ حق راہ کردہ نان  
 عبادت کا نھر ریاضت مہ کرمنہ  
 گنا ہو پر کرم دفتر شب و روز  
 و ترا خراجہ مہ سفر سببت چھومنے  
 ہتو پالو ہتو تانہ زوئیہ  
 سرت نفسی بہت پت کن کرت تی  
 ہم کیاہ سکرانہ وزہ مہ چارہ  
 تھوئی گدہ قبر اندر کیاہ کرے بو  
 نکیر و منکر و چھتھی کلے ما  
 قیام شد وہ گڑھے ما حال حیران  
 و چھت اعمال بد اعمال ناس  
 جزا یلہ نیکنی دن تول تولی  
 و چھت پل صراطس تھرازم ما  
 تتی مے تان ایم نیرن گواہی  
 زمین و آسمان تارم شہادت  
 زن و فرزند و یاران کا نہنہ درکار  
 اکی کت پر چھہ بڈ فضل الہی  
 نتہ چھوم حسرتاہ کر کا نہنہ نتھاہ چھم  
 علی نمود کامہ ما نامہ سیاہو

دم ہستی توئی افسوس افسوس  
 مکھان چھم بنو بنوی افسوس افسوس  
 دوں غیرن کھوی افسوس افسوس  
 تہ بوستی بنوی افسوس افسوس  
 جزا بیت بو بنوی افسوس افسوس  
 سو چھوم ستین بنوی افسوس افسوس  
 پکین منہرلس کنوی افسوس افسوس  
 یہ چھوی ملتہ بنوی افسوس افسوس  
 یہ شیطا ن و نوی افسوس افسوس  
 لی زو چھوم د نوی افسوس افسوس  
 لگے یلہ کن ز نوی افسوس افسوس  
 ہم یلہ پڑ بنوی افسوس افسوس  
 کتریم یلہ سر بنوی افسوس افسوس  
 گڑھے مالو نوی افسوس افسوس  
 یہ کیا آسم بنوی افسوس افسوس  
 جہنم تل سنوی افسوس افسوس  
 پیوس پت بن بنوی افسوس افسوس  
 نہ چھوم پانس بنوی افسوس افسوس  
 مزرا خھاہ چھوی چھوی افسوس افسوس  
 نفیع حضرت بنوی افسوس افسوس  
 لگے بوکت کنوی افسوس افسوس  
 ژہ دیو تھوپرہ نوی افسوس افسوس

دچھن بوڑت کھور تراوت تہ ساروی  
 ژہ کو نو کہنہ سنوی افسوس افسوس



# خاتمہ در امتداد وغیرہ

<p>۱۳۲۷          اس تراوہ شت نہ تناوہ سنہ          اسواکی ناست دوم مختصر          شکر اللہ کو دوہن اندرتیار          کو نہ جائے ات وچہک سہو خطا          شاعرہ اسوسنہ باہم وزکی          گزہور سالہ پور پائٹھن یہ بن          شوق غالب کوم کر چارہ لکوم          رحمت و رضوان حقک راجیا          عاشقہ بادرد و سوزش تیرین          از وفات سرور عالیجناب          یام انجم مہر بن کر نس نظر          و چھتہ بت ن کوک ساری با طمع</p>	<p>و نو وفات مصطفیٰ بوز و کنہ          منکہ منکہ جذبہ کر انسورن          خاص عامن بیہ گاہ پرس بکار          کر زہنت اصلاح می کر زہنتہ عیب          تراوہ ہانن ماوہ نابوزیر کی          بوزہن لوک وزہن رحوف موت          گوس انت پوہرن رتونی لکوم          تاجراہ رتو شاعر شیرین سخن          مشتہر نامی محمد نور الدین          زودانن بووچھن تچھا پلون          خوش سین بوزت سوشاعر نامور          یا اہی کرتہ دے شفو خطا</p>	<p>اسو و نو متو بعضیو زین شپتر          نتہ می ہدیو چھا پران کا شر کرن          اک سوالا میون چھوٹے ذوالعطا          عبیدہ سنت اک عالم اسرار غیب          بیک در دل ہی غرض اسوم بین          زانہن آخر گزہن سارن چھوٹ          تاک و اتوم شہر کوی ہڈ جاجیا          عالماء با علم و ادب ازمن          امر کریم یوسہ زہ کر مشر چھی کتا          نفع لوکن و اتہ یم پرت جاپہن          تم پسند کر نم سپہن خاطر مہ جمع          جاجیس کر عزت دارین عطا</p>
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

<p>۱۳۲۸          ۱۳۲۹</p>	<p>یم پران بوزن تہ رونات رضا          ظاہر ابیات نقل این کتاب</p>	<p>یا الہ دیک سارنی رتور توجہ سزا          اکہ نمٹ نہ پندارہ شت در حساب</p>	<p>۱۳۳۰          ۱۳۳۱</p>
-------------------------------	-----------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------

ہر قسم کی سستی کتابیں ملنے کا پتہ

غلام محمد نور محمد تاجران کتب

مہاراج نمبر گنج بازار سری نگر کشمیر



ہر علم و فن کی دستی اور بارعایت کی تہا ہیں ملنے کا پتہ :-

# غلام احمد نواز خان

مہاراج پریکھنا ناز - مائے حمہ بانار - رزیدنسی ۱۷ و ڈومیر کال سٹریٹ

مالکان

کوہ نور پرنٹنگ پریس - رزیدنسی ۱۷ و ڈومیر کال سٹریٹ کٹھن کو یاد رکھیں :-



SRI PRATAP COLLEGE LIBRARY  
SRINAGAR (Kashmir)

DATE LOANED

Class No. \_\_\_\_\_ Book No. \_\_\_\_\_

Acc. No. \_\_\_\_\_

This book may be kept for **14 days**. An over - due charge will be levied at the rate of **10 Paise** for each day the book is kept over - time.

[illegible]



891.441

P66W

**S. P. College Library,  
SRINAGAR.**

**DATE LOANED**

A fine of **one anna** will be charged for  
each day the book is kept over time. **15983**

--	--	--	--



**SRI PRATAP COLLEGE LIBRARY**  
**SRINAGAR (Kashmir)**

**DATE LOANED**

*Class No.* \_\_\_\_\_ *Book No.* \_\_\_\_\_

*Acc. No.* \_\_\_\_\_

This book may be kept for **14 days**. An over - due charge will be levied at the rate of **10 Paise** for each day the book is kept over - time.


SRI  
PRATAP  
COLLEGE LIBRARY,  
SRINAGAR.  
College  
can borrow  
one and  
one

any way  
lost shall  
for or  
by the  
borrower.  
time,  
books